सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 34 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 17 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

ऑल इंडिया फॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट में छत्तीसगढ़ बना चैम्पियन, 74 गोल्ड के साथ जीते 150 मैडल

■ छत्तीसगढ़ को लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी, सीएम साय व वन मंत्री कश्यप ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। देहरादून में हुई 28वीं अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने 150 मेडल और 578 अंक के साथ लगातार दूसरे वर्ष चैम्पियनशिप अपने नाम की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन मंत्री केदार कश्यप ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों और टीमों को बधाई देते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है।

लगातार 13वीं बार बना चैंपियन

छत्तीसगढ़ ने लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। समापन समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह तथा उत्तराखंड के वन मंत्री सुबोध उनियाल ने संयुक्त रूप से ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी दी। छत्तीसगढ़ की ओर से यह ट्रॉफी शालिनी रैना ने ग्रहण की। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऋचा शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को अपनी बधाई दी।

28वीं ऑल इंडिया फॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट 12 नवम्बर से 17 नवम्बर तक देहरादून में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने 74 गोल्ड, 34 रजत, 42 कांस्य लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ की ओर से इस प्रतियोगिता में भाग लेने 253 सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कई उत्कृष्ट व्यक्तिगत प्रदर्शन भी छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने किया। इनमें सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी निखिल ज़ाल्को ने तैराकी में 5 स्वर्ण, सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी संगीता राजगोपालन बैडमिंटन एवं टेनिस में 4 स्वर्ण, 1 रजत, सर्वश्रेष्ठ एथलीट महिला ओपन थोटा संकीर्तन ने 5 स्वर्ण पदक प्राप्त कर गोल्डन गर्ल का खिताब पाया। इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष वेटरन) सुखनंदन लाल ध्रुव ने 5 स्वर्ण, सर्वश्रेष्ठ एथलीट (महिला वेटरन) चारुलता गजपाल 4 स्वर्ण ने पदक प्राप्त किया।

केरल दूसरे स्थान पर

प्रतियोगिता में केरल ने 31 गोल्ड लेकर द्वितीय स्थान और कर्नाटक ने 25 गोल्ड मेडल लेकर तीसरा स्थान हासिल किए। जबकि मेजबान उत्तराखंड छठे स्थान पर रहा। इस प्रतियोगिता को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए एक विशेष पहल भी की गई। इसके तहत एक खेल-एक वन की अवधारणा पर सभी मेडल जीतने वाले खिलाड़ी के नाम पर एक पेड़ लगाया गया।

खास-खबर

हड़ताली समिति कर्मचारियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, प्रभारी प्रबंधक सहित 13 कर्मचारी बर्खास्त

रायपुर। सहकारी समिति के हड़ताली कर्मचारियों के विरुद्ध प्रशासन के द्वारा सख्त कार्यवाही शुरू कर दी गई है। धान खरीदी कार्य से इंकार करने वाले कर्मचारियों पर अति आवश्यक सेवा अनुरक्षण क़ानून के तहत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज प्रभारी प्रबंधक सहित 13 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है तथा 3 कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर प्रस्तावित है।

जिला खाद्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिमगा समिति प्रबंधक मंजुला शर्मा, खोखली समिति प्रबंधक राकेश कुमार टंडन, धुर्रा बांधा समिति प्रबधक मूलचंद वर्मा,रोहांसी समिति प्रबंधक धर्मेन्द्र साहु, समिति प्रबंधक तिल्दा रामकुमार साहु को बर्खास्त किया गया है। इसीतरह कसडोल विकासखंड के समिति गिरौद के विक्रेता नन्द कुमार पटेल, हसुआ के विक्रेता गोकुल प्रसाद साहु,थरगांव के विक्रेता ललित साहू, कटगी के विक्रेता रामस्वरूप यादव,चिखली के विक्रेता खेलसिंग कैवर्त्य कोसमसरा के विक्रेता अमित साहू, सरखोर के विक्रेता भीम साहु, लवन के विक्रेता रविकमल को बर्खास्त किया गया है। विकासखंड पलारी अंतर्गत समिति कोनारी के प्रभारी प्रबंधक राजेंद्र चंद्राकर, समिति रोहरा के कम्प्यूटर ऑपरेटर बीरेंद्र साहु एवं समिति रिसदा के विक्रेता टीका राम वर्मा के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने शाखा प्रबंधक को पत्र जारी किया गया है।

तालाब में नहाने पहुंचे 4 बच्चे गहरे पानी में डूबे: ग्रामीणों ने दो को बचाया, एक का शव बरामद

बिलासपुर। जिले के महमंद ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थित बेलभाठा तालाब में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। आज दोपहर चार छात्र नहाने के लिए तालाब पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। इस दौरान ग्रामीणों की तत्परता से दो बच्चों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया। जबकि, दो लापता थे। कई घंटे की तलाश के बाद स्ठ्रत्र्न ने एक छात्र का शव बरामद किया। जबकि, चौथा छात्र अभी भी लापता है। बता दें कि चौथे छात्र की तलाश के लिए स्ठ्रत्र्न की टीम मौके पर कैंप कर रही है और तलाशी अभियान लगातार जारी है। टीम तालाब के गहरे हिस्सों में खोजबीन में जुटी है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और शोक का माहौल है। बता दें कि चौथे छात्र की तलाश के लिए स्ठ्रत्र्न की टीम मौके पर कैंप कर रही है और तलाशी अभियान लगातार जारी है। टीम तालाब के गहरे हिस्सों में खोजबीन में जुटी है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है।

छत्तीसगढ़ में धान का अवैध परिवहन, 16 दिन में 19 हजार क्विंटल से अधिक धान जब्त

मार्कफेड ने जारी किए आंकड़े, बिकता तो सरकार को लगता 6 करोड़ का चूना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारम्भ होने के पूर्व से ही प्रदेश में अवैध परिवहन से आने वाले धान की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर तक लगभग 19 हजार 320 क्विंटल धान जब्त किया गया है। यदि यह धान उपार्जन केन्द्रों में बिक जाता तो सरकार को लगभग 6 करोड़ के राजस्व का नुकसान होता।

उल्लेखनीय है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पूर्व प्रदेश में अवैध धान परिवहन और संग्रहण पर सख्त निगरानी जारी रखते हुए महत्वपूर्ण कार्रवाईयां की जा रही हैं। इस बार मार्कफेड द्वारा राज्य में अवैध परिवहन के जरिए अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले धान को रोकने के लिए राज्य के सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट और कलेक्टर की अध्यक्षता में टॉस्कफोर्स भी बनाए गए हैं। इसके साथ ही मार्कफेड में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था की सतत् निगरानी की जा रही है।

महासमुंद जिले में सबसे ज्यादा पकड़ाया धान

मार्कफेड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार एक नवंबर से 16 नवंबर के बीच सीमावर्ती जिलों से अवैध परिवहन के माध्यम से आने वाले धान में सर्वाधिक महासमुंद जिले में 4266 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इसी प्रकार बलरामपुर जिले में 4139 क्विंटल, सूरजपुर जिले में 1750 क्विंटल, रायगढ़ जिले में 1201 क्विंटल, जशपुर जिले में 1157 क्विंटल, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में 967 क्विंटल, कोण्डागांव जिले में 869 क्विंटल, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 687 क्विंटल, राजनांदगांव 607 क्विंटल, मुंगेली में 490 क्विंटल, बलौदाबाजार में 386 क्विंटल, बिलासपुर में 273 क्विंटल, कोरिया में 253 क्विंटल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 250 क्विंटल, सरगुजा में 240 क्विंटल, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 228 क्विंटल, दंतेवाड़ा में 220 क्विंटल, बस्तर जिले में 218 क्विंटल, सक्ती में 137 क्विंटल, सुकमा में 130 क्विंटल, बालोद में 123 क्विंटल, गरियाबंद में 122 क्विंटल, जांजगीर-चांपा में 119 क्विंटल, कवर्धा में 90 क्विंटल, कोरबा में 85 क्विंटल, रायपुर में 84 क्विंटल, धमतरी में 72 क्विंटल, नारायणपुर में 53 क्विंटल, दुर्ग में 38 क्विंटल, बेमेतरा में 32 क्विंटल, मोहला-मानपुर-चौकी में 27 क्विंटल धान जब्त किए गए हैं।

इंटीग्रेटेड कंट्रोल सिस्टम से मिल रहा इनपुट

मार्गफेड के इंटीग्रेटेड कंट्रोल सिस्टम से प्राप्त 600 बैग (231.5 क्विंटल) अवैध धान संबंधी अलर्ट पर तत्काल कार्रवाई करते हुए कोंडागांव जिले की टीम ने मौके पर पहुंचकर धान जब्त किया। सीमावर्ती जिलों में निगरानी बढ़ाए जाने और त्वरित अलर्ट-रिस्पॉन्स सिस्टम की बदौलत अन्य राज्यों से धान की अवैध आमद को रोकने में प्रभावी सफलता मिल रही है। इसी कड़ी में रात्री गश्त के दौरान ग्राम त्रिशूली थाना सनवाल क्षेत्र में अशोक सिंह पिता रामचरित्र के घर के बाहर बने शेड में दो अलग-अलग स्थानों पर कुल 222 कट्टा (88.8 क्विंटल) धान पाया गया। विवाद की स्थिति को देखते हुए दिन में पुनः तहसीलदार रामचंद्रपुरपुर, थाना प्रभारी सनवाल, महिला पुलिस तथा मंडी कर्मचारियों की मौजूदगी में विस्तृत जांच की गई और धान की विधिवत जप्ती की कार्रवाई पूरी की गई। शासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता और अवैध गतिविधि को हर स्तर पर जीरो टॉलरेंस के साथ रोका जाएगा। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मार्कफेड द्वारा धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए एकीकृत कंट्रोल सेंटर के माध्यम से रियल-टाइम निगरानी की जा रही है। साथ ही अवैध परिवहन के माध्यम से राज्य में आने वाले धान को रोकने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा सतत् निगरानी रखी जा रही है।

बस-टैंकर की भीषण टक्कर, उमराह के लिए गए 40 से ज्यादा भारतीयों की मौत

जद्दाह ए। सऊदी अरब में एक भीषण सड़क हादसे में 40 से ज्यादा भारतीयों की मौत की आशंका है। यह हादसा उस समय हुआ, जब उमराह के लिए गए लोगों को लेकर जा रही बस एक तेल के टैंकर से टकरा गई। सऊदी अरब के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसा मदीना के नजदीक हुआ और माना जा रहा है कि हादसे में मरने वाले भारतीय उमराह यात्री हैं, जिनमें से कई हैदराबाद के निवासी हैं।

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट्स के अनुसार, उमराह गए लोगों को लेकर बस मक्का से मदीना जा रही थी, जब वह रास्ते में डीजल टैंकर से टकरा गई। हादसा स्थानीय समय अनुसार, सुबह करीब 1.30 बजे मुहरास या मुफरिआत इलाके में हुआ, जो मदीना से करीब 160 किलोमीटर दूर है। हादसे के समय कई यात्री सो रहे थे। टक्कर लगते ही बस आग की लपटों में घिर गई और लोगों को बचने का भी समय नहीं मिला। हादसा इतना भयानक था कि मृतकों की पहचान करना भी मुश्किल है। हादसे में कम से कम 42 लोगों की मौत की खबर है, जिनमें हैदराबाद के कई यात्रियों के होने की आशंका है। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सऊदी अरब हादसे पर दुख जताया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि 'मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुए हादसे से बेहद दुखी हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं हादसे में घायल लोगों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। रियाद स्थित हमारा दूतावास और जेद्दाह का महावाणिज्य दूतावास हरसंभव मदद मुहैया करा रहे हैं। हमारे अधिकारी भी सऊदी अरब सरकार के अधिकारियों के संपर्क में हैं।

धान खरीदी में लापरवाही पर सख्ती, खैरागढ़ में 4 समिति प्रबंधक निलंबित, 50 पर एफआईआर की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खैरागढ़ में धान उपार्जन केंद्रों में पदस्थ 50 समिति प्रबंधक 15 नवंबर को ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुए। इसे सरकारी आदेश का उल्लंघन एवं खरीदी प्रक्रिया में बाधा मानते हुए पुलिस अधीक्षक को उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के लिए पत्र भेजा गया है। वहीं चार समिति प्रबंधकों को सस्पेंड कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी कार्य को अत्यावश्यक सेवा घोषित करते हुए 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक कर्मचारियों के अवकाश पर रोक लगा दी है। छत्तीसगढ़ अत्यावश्यक

सेवा संधारण एवं विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 (ईएसएमए) की धारा 4(1) एवं 4(2) के तहत जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हैं। प्रशासन ने सख्त चेतावनी दी है कि धान खरीदी जैसे संवेदनशील कार्य में बाधा डालने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी

छुट्टी लेने पर कार्रवाई

जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी से कार्य से जुड़े 51 नए केंद्र प्रभारियों और 51 ऑपरेटरों को धान खरीदी की प्रक्रिया, पोर्टल संचालन, माप-तौल, पारदर्शिता और किसानों की सुविधा सुनिश्चित करने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रशिक्षण के बाद भी कोई केंद्र प्रभारी या ऑपरेटर कार्य पर उपस्थित नहीं होता, तो उसके विरुद्ध भी एस्मा के तहत कार्रवाई की जाएगी।

4 समिति प्रबंधक निलंबित

धान खरीदी कार्य में लापरवाही एवं ड्यूटी से अनुपस्थित पाए जाने पर इटार, डोकराभाठा, गढ़ाडीह और हनईबंद के 4 समिति प्रबंधकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने कहा है कि धान खरीदी कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की बाधा, लापरवाही या असहयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

युवक की हत्या कर लाश नाली में फेंकी

■ सफाई कर्मियों की नजर पड़ी , सूचना पर पहुंची पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में एक बार फिर हत्या की वारदात सामने आई है। इस बार दुर्ग शहर के पोलसाय पारा में नाले में युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सफाई कर्मियों ने शव को देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और जांच शुरू की है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या के बाद शव को नाली में फेंका गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान संजय यादव के रूप में हुई है। सोमवार की सुबह पोलसाय पारा में सफाई के दौरान कर्मियों की नजर नाले में शव पर पड़ी। देखते ही देखते बात फैली और भीड़ जमा हो गई। मौके से पुलिस को सूचना दी गई। कुछ ही देर में पुलिस की टीम भी पहुंची। पहले तो शव को बाहर निकलवाया गया। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का मुआयना कराया।

शुरुआती जांच में शव पर चोट के निशान मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाया गया। पुलिस ने आसपास के सीसी टीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और हत्या के कारणों व आरोपियों का पता लगाने के लिए टीम गठित कर दी गई है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

पानी बोओ-पानी उगाओ

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक अभियान चल रहा है - पानी बोओ, पानी उगाओ। इसे चला रहे हैं शिक्षक मोहन चंद्र कांडपाल। 18 नवम्बर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें राष्ट्रीय जल पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। चंद्रमोहन पिछले 36 साल से भूजल संग्रहण-संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। चंद्रमोहन जो कर रहे हैं, उसका अनुकरण पूरे देश में होना चाहिए। पर लोगों ने इसे कभी सीरियसली नहीं लिया। दरअसल, यही इंसानी फितरत है। उसे लगता है कि पानी कहां चला जाएगा? हवा कहां चली जाएगी? आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, असम का बर्नीहाट सहित तमाम व्यस्त शहर वायु प्रदूषण से जूझ रहे हैं। घर पर एयर प्यूरीफायर लग रहे हैं। पानी की समस्या को तो ग्रीष्म ऋतु में जोर शोर से उठाया जाता ही है। आज जबकि कई शहरों, राज्यों और गांवों तक में गंभीर वायु और जलसंकट प्रारंभ हो गया है, तब भी उसकी सोच में वैसा परिवर्तन नहीं आ पाया है, जैसा कि प्रत्याशित था। 2003 में ओड़ीशा में काम करने का मौका मिला। दफ्तर संबलपुर में था जो हीराकुंद बांध से लगा हुआ है। वहां रंजन पण्डा से मुलाकात हुई। वे वाटर मैन कहलाते थे। वो पानी पर लंबे समय से काम कर रहे थे। छत्तीसगढ़ में भी एक ऐसी ही कोशिश पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुरू की। नरवा विकास योजना के तहत, नदी-नालों और जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए 51,000 से अधिक संरचनाएं बनाई गईं। सूरजपुर जिले की केनापारा कोयला खदान को एक उत्कृष्ट जल संरक्षण स्रोत में परिवर्तित किया गया, जहाँ मछली पालन और बोटिंग जैसी गतिविधियाँ शुरू की गईं। पर चंद्रमोहन का प्रयास इससे अलग है। दरअसल, एक दिन जब वो शाला में बच्चों को प्रतिदिन स्नान करने और साफसुथरा रहने के लिए प्रेरित कर रहे थे तो कक्षा तीसरी के एक छात्र ने पूछ लिया ङ्क जब पीने का पानी मुश्किल से मिलता है तो नहाने के लिए कहां से लाएं। बालक का यह सवाल उन्हें भीतर तक हिला गया। उन्होंने सबसे पहले पहाड़ों और वनों में वर्षाजल को रोकने के प्रयास शुरू किये। पहाड़ी ढालों पर गोदियां काटी गईं। चौड़े पत्ते वाले पौधे लगाए गए। पर इसका कोई खास प्रभाव नीचे गांव में देखने को नहीं मिला। नदी नाले सूखते रहे और खेत छोड़कर किसान पलायन करते रहे। 2012 में गांव की ही एक वृद्ध महिला ने टोका कि मास्टर, ये पेड़ लगाने से कुछ नहीं होगा। जब तक बंजर खेत जोते नहीं जाएंगे, पानी जमीन के नीचे जाएगा ही नहीं। नए जोश के साथ चंद्रमोहन ने सूखे खेतों को जोतना शुरू किया। एक-दो साल में ही नतीजे सामने आ गए। पानी बोओ-पानी उगाओ अभियान रिस्कन नदी के आसपास के 40 गांवों में फैल गया। शहरों में रहने वाले लोगों ने भी अपने बंजर खेतों को पुनर्जीवित करने में सहयोग दिया। 10-15 साल में ही सूखे नौले-धारे पुनर्जीवित होने लगे। खेती दोबारा शुरू हुई और गांवों में जीवन लौटने लगा।

संपादकीय

डिजिटल लत से मुक्ति

कोरोना संकट ने जहां ऑनलाइन शिक्षा के जरिये छात्रों को पढ़ाई का कारगर विकल्प दिया, तो वहीं छात्र-छात्राओं को डिजिटल एडिक्शन का शिकार भी बना दिया। मां-बाप को लगता था कि बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई में व्यस्त हैं, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चे ऑनलाइन गेम की लत के शिकार बने हुए थे। हाल के दिनों में पढ़ाई के माध्यमों और जीवनशैली में बदलाव के चलते बच्चे तेजी से डिजिटल लत के शिकार होने लगे हैं। मगर उन्हें ये सब सामान्य लगता था। यदि मां-बाप उन्हें इससे रोकते हैं, तो टोका-टाकी उन्हें बर्दाश्त नहीं होती है। उनका व्यवहार आक्रामक भी होने लगता है। कहीं-कहीं तो मां-बाप की सख्ती के बाद छात्रों के आत्महत्या करने के मामले भी सामने आए। केरल में सिर्फ पलक्कड़ में चार साल के भीतर 41 बच्चों द्वारा आत्महत्या करने के दुखद समाचार आए, जिसने प्रशासन और अभिभावकों की नींद उड़ा दी। डिजिटल लत से बच्चों को मुक्त करने के लिए केरल सरकार ने नई पहल की। पलक्कड़ में छह डि-एडिक्शन सेंटर शुरू किए हैं, जिनमें बच्चों की काउंसलिंग की जाती है। यहां मौजूद साइकोलॉजिस्ट लत के शिकार बच्चों का इंटरनेट एडिक्शन टेस्ट करते हैं, जिससे पता लगाया जाता है कि लत का स्तर क्या है। जिसके आधार पर उनकी काउंसलिंग की जाती है। इसके लिए जहां कुछ एक्सरसाइज करायी जाती हैं, वहीं दूसरी रचनात्मक गतिविधियों से इसे छुड़ाने की कोशिश की जाती है। इस दौरान एक-एक घंटे के दस-पंद्रह सेशन कराये जाते हैं। सुखद है कि चार-पांच सेशन के बाद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

> “ डिजिटल लत से बच्चों को मुक्त करने के लिए केरल सरकार ने नई पहल की। पलक्कड़ में छह डि-एडिक्शन सेंटर शुरू किए हैं, जिनमें बच्चों की काउंसलिंग की जाती है। यहां मौजूद साइकोलॉजिस्ट लत के शिकार बच्चों का इंटरनेट एडिक्शन टेस्ट करते हैं, जिससे पता लगाया जाता है कि लत का स्तर क्या है। जिसके आधार पर उनकी काउंसलिंग की जाती है। इसके लिए जहां कुछ एक्सरसाइज करायी जाती हैं, वहीं दूसरी रचनात्मक गतिविधियों से इसे छुड़ाने की कोशिश की जाती है। इस दौरान एक-एक घंटे के दस-पंद्रह सेशन कराये जाते हैं। सुखद है कि चार-पांच सेशन के बाद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

दरअसल, डिजिटल लत के शिकार बच्चों को यह बताना कठिन होता है कि वे डिजिटल लत के शिकार हैं। वे मानने को तैयार ही नहीं होते कि वे कुछ असामान्य कर रहे हैं। उनके लिये यह व्यवहार सामान्य घटनाक्रम है। लेकिन डि-एडिक्शन सेंटर में काउंसलिंग और कुछ सेशन के बाद उन्हें लगता है कि कुछ गड़बड़ जरूर है। दरअसल, सोशल मीडिया का जाल हमारे समाज का ग्रास इतनी तेजी से कर रहा है, बच्चों को लगता ही नहीं कि वे कुछ असामान्य कर रहे हैं। जिसके चलते किशोर, इससे रोकने पर आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। कुछ मामलों में वे अवसादग्रस्त होने लगते हैं या फिर उनके मन में आत्महत्या के विचार आने लगते हैं। यह सुखद है कि पलक्कड़ में पिछले दो साल में साढ़े बारह सौ बच्चों को डिजिटल लत से मुक्ति दिलायी गई है। बच्चे मानसिक रूप से खुद को स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। दरअसल, आज जरूरत इस बात की है कि स्कूलों में शिक्षक व अभिभावक पढ़ाई और इंटरनेट के प्रयोग में संतुलन बैठाने का प्रयास करें। सही मायने में यह संकट सिर्फ केरल के किसी एक जिले का ही नहीं है, यह संकट पूरे देश का है। जिसको लेकर केंद्र सरकार को यथाशीघ्र नीति बनाने और डि-एडिक्शन सेंटर खोलने की जरूरत है। इस दिशा में केंद्र व राज्यों के सहयोग से सकारात्मक परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। इस कार्य में स्वयंसेवी संगठनों की भी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

तिरस्कार से मतदाता ने दिया विपक्ष को संदेश

ज्योति मलहोत्रा

जैसा कि बिहार ने दिखाया है और चुनाव दर चुनाव स्पष्ट रहा है, भाजपा की जीत की भूख पर कभी कोई संदेह नहीं रहा। शायद विपक्ष को उस किताब से सीख लेने के बारे में विचार करना चाहिए, जिसे उसका राजनीतिक दुश्मन पिछले कुछ समय से पढ़ रहा है। बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत, तेजस्वी यादव के राजद को सजा और कांग्रेस पार्टी का सफाया निश्चित तौर पर तय था। एक और बात स्पष्ट है। राहुल गांधी को कोलंबिया जाकर बस जाना चाहिए या किसी अन्य दक्षिण अमेरिकी देश में, जहां वे बिहार चुनाव प्रचार के बीच सफेद कुर्ता-पायजामा और काली बंडी जैकेट में फबकर घूमते दिखाई दिए थे। हिंदी में - और पंजाबी में भी- एक शब्द है बिहारी, इसका अभिप्राय उपेक्षित से कुछ अधिक और हेय से कुछ कम लिया जाता है, गत सप्ताह की शुरुआत में कांग्रेस के खिलाफवोट देते वक्त यह मतदाताओं के मन में जरूर रहा होगा।

तिरस्कार। हिकारत। हमें हल्के में मत लीजिए। यदि आप ऐसा करेंगे तो हम आपको आपकी जगह दिखा देंगे, एक ऐसी पार्टी को वोट देकर, जिसके बारे में हमने शायद सोचा हो या नहीं भी।

बिहार में, मतदाता कांग्रेस -यानी राहुल गांधी- के प्रति इतनी गुस्से से भर गए कि उन्होंने इस सबसे पुरानी पार्टी को छह सीटों तक सीमित कर दिया। डेढ़ साल पहले हुए लोकसभा चुनावों के बाद से यह कांग्रेस की लगातार चौथी हार है - हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद। भारतीय राजनीति की त्रासदी यह है कि राहुल को जवाबदेह होने, दक्षिण अमेरिका न जाने या दीवार पर लिखी इबारत को समझना मंजूर नहीं है -यह कि उन्हें पद छोड़ देना चाहिए और खुद अपनी पार्टी में लोकतंत्र की उस हवा को बहने देना चाहिए, जिसके बारे में बात करना उन्हें बहुत पसंद है।

पंजाब और जम्मू-कश्मीर, दोनों सूबों में लोगों ने कुछ गढ़ हिला दिए हैं - और सत्तारूढ़ आप और नेशनल कॉन्फ्रेंस को स्पष्ट चेतावनी दे दी है। तरनतारन और बडगाम, दोनों जगहों पर मतदाताओं ने कहा है कि हमें हल्के में मत लीजिए। तरनतारन में, जो गर्म राजनीति का केंद्र रहा है, नाराज़ पंजाबी मतदाता ने अपने कुछ संदेश भेजे हैं। पहला,उन्होंने राज्य में विधानसभा चुनावों से 15 महीने पहले सत्तारूढ़ 'आप' को चेतावनी संकेत दे दिया है। दूसरा, 'आप' उम्मीदवार जीत तो गया, लेकिन अकाली दल के प्रत्याशी ने उसे करारी टक्कर दी है - भले ही इस पर एक राय न हो कि पंजाब की राजनीति में क्या इसे अकाली दल की वापसी माने या नहीं, क्योंकि पार्टी ने 2020 में केंद्र सरकार द्वारा कृषि कानून लागू करने पर, एनडीए से नाता तोड़ने के बाद से, अपना जादू खो दिया है, 2022 के विधानसभा चुनावों में अकाली दल ने केवल तीन सीटें जीतीं थीं, तो 2024 के लोकसभा चुनावों में सिर्फ एक सीट पर सिमट गई और तब से गुटबाजी में घिरी हुई है।

तीसरा, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि अकाली उम्मीदवार सुखविंदर कौर ने अलगाववाद परस्त राजनीतिक संगठन 'वारिस पंजाब दे' (डब्ल्यूपीडी) द्वारा समर्थित उम्मीदवार को पीछे छोड़ दिया ङ्क उसका प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहा। सनद रहे, डेढ़ साल पहले ही खालिस्तान समर्थक डब्ल्यूपीडी ने लोकसभा में दो सीटें जीती थीं - एक पर इंदिरा गांधी के हत्यारे का बेटा विजयी रहा, जबकि दूसरी सीट का विजेता विद्रोह के प्रयास के लिए जेल में है। इसलिए अगर तरनतारन अब मध्यमार्ग की लीक पर लौट रहा है, तो अकाली दल निश्चित रूप से दोहरी श्लाघा और पीठ थपथपाने का हकदार है।

चौथा, तरनतारन ने कांग्रेस के साथ घोर अपमानजनक भरा बर्ताव किया है ङ्क जिसके ओहदेदारों को यकीन है कि वे उस राजगद्दी के नैसर्गिक हकदार हैं, जब पंजाब के लोग बहुत जल्द 'आप' को विदा कर देंगे। फर्क सिर्फ इतना है कि जहां कांग्रेस उम्मीदवार की जमानत जब्त हुई वहीं भाजपा पांचवें स्थान पर रही, इस तसल्ली के साथ कि हमने भी दौड़ में हिस्सा लिया।

फिर एक संदेश बडगाम से आया है, जहां से जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले सितंबर में गांदेरबल निर्वाचन क्षेत्र के साथ जीत हासिल की थी ङ्क उन्होंने बडगाम खाली किया था, जिसकी वजह से वहां उपचुनाव करवाया गया। स्पष्टत: सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। अब्दुल्ला को सजा इसलिए मिली है क्योंकि इस केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की लोगों की उम्मीदों को वे पूरा नहीं कर पाए हैं - भले ही यह करना उनके हाथ में न होकर केंद्र सरकार के हाथ में है। अब्दुल्ला को इस तथ्य की कीमत चुकानी पड़ी है कि वास्तव में वह केवल अधूरे मुख्यमंत्री हैं, लेकिन फिर भी मुख्यमंत्री की कुर्सी चाहते हैं।

मतदाताओं द्वारा दिखाया यह निष्ठुर रवैया प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा और नीतीश कुमार की जदयू को मिली ज़बरदस्त तालियों के बिल्कुल उलट है। कई विश्लेषकों ने एनडीए की अभूतपूर्व जीत का श्रेय न सिर्फ़ महिलाओं को, बल्कि सभी सब मतदाताओं को बड़े पैमाने पर किए नकद हस्तांतरण को दिया है - जन सुराज पार्टी नेता पवन के वर्मा ने द ट्रिब्यून को बताया कि भाजपा शासित केंद्र ने आचार संहिता लागू होने से कुछ घंटे पहले ही 30,000 करोड़ रुपये लोगों के खाते में डाले, जो एक बेहद गरीब राज्य के लिए एक बहुत बड़ी रकम है। शायद बिहार का मतदाता यह सोचकर डर गया था कि राजद के साथ 'जंगल राज' वापस आ जाएगा - निश्चित रूप से, लालू के बेटे में सामाजिक न्याय सुधार के लिए वो आग नहीं है जो लालू यादव में थी, भले ही उनमें और कमियां रही हों। और जहां ये तमाम कारण पूरी तरह से प्रासंगिक हैं, कोई भी पूरी तरह से यह नहीं समझ पा रहा कि बिहार इतनी आसानी से भगवा क्यों हो गया और उसने विपक्ष के साथ इतनी नफरत या उपेक्षा भरा बर्ताव क्यों किया।

आखिरी बात यह है कि विपक्ष ने असली लड़ाई लड़नी ही नहीं चाही। राहुल गांधी बीच संग्राम बिहार छोड़ कर निकल गए (दक्षिण अमेरिका के लिए), तेजस्वी यादव ने जल्दबाज़ी में वह वादे कर दिए जिन्हें वे पूरा कर ही नहीं सकते थे (हर परिवार में एक सरकारी नौकरी) और जन सुराज के प्रशांत किशोर ने गुस्से और अहंकार खुद पर हावी होने दिया ('अगर नीतीश कुमार को 25 से ज़्यादा सीटें मिलीं तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा'), यह बात उनकी सोची-समझी रणनीति के आड़े आ गई। महागठबंधन इसलिए नहीं जीत पाया क्योंकि वह असल में लड़ाई में कभी था ही नहीं। ऐसे में जब आपके सामने एक तरफमहाशक्ति हो और दूसरी ओर एक कमज़ोर गठबंधन, जिसे खुद पर भी भरोसा नहीं है तब बतौर मतदाता आप क्या करेंगे? गिनाने को भाजपा के साथ भी कई कमियां हैंङ्कतथ्यों में अग्रणी एक यह कि चुनाव को अपनी तरफ़ मोड़ने के लिए केंद्र सरकार के संसाधनों का इस्तेमाल करने में भाजपा ने कोई संकोच नहीं किया, उदाहरणार्थ, महिलाओं को 7,500 करोड़ रुपये का नकद हस्तांतरण। जैसा कि बिहार ने दिखाया है और चुनाव दर चुनाव स्पष्ट रहा है, भाजपा की जीत की भूख पर कभी कोई संदेह नहीं रहा। शायद विपक्ष को उस किताब से सीख लेने के बारे में विचार करना चाहिए, जिसे उसका राजनीतिक दुश्मन पिछले कुछ समय से पढ़ रहा है।

गैर-बराबरी घुन

जिस छोटे से तबके के हाथ में धन केंद्रित होता है, सरकारी नीतियों पर उसका शिकंजा कस जाता है। यानी गैर-बराबरी ऐसा घुन है, जो लोकतंत्र को कुतर डालती है। भारत में अमीर-गरीब की खाई तेजी से बढ़ी है।

भारत में आर्थिक गैर-बराबरी अत्यधिक बढ़ चुकी है, यह कोई नया तथ्य नहीं है। नई बात सिर्फ यह है कि इस बार जी-20 समूह की तरफ से नियुक्त मशहूर अर्थशास्त्रियों के टास्क फोर्स ने इस ओर ध्यान खींचा है। जोसेफ स्टिग्लिट की अध्यक्षता वाले इस टास्क फोर्स ने गैर-बराबरी बढ़ने के परिणामों का भी उल्लेख किया है। साथ ही बताया है कि इस पर किस तरह लगाम लगाया जा सकता है। फिलहाल, जी-20 की अध्यक्षता दक्षिण अफ्रीका के पास है। वहां के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा की पहल पर ये टास्क फोर्स बना। उसने बताया है कि इस समस्या को नजरअंदाज करना कितना हानिकारक है। टास्क फोर्स के मुताबिक अत्यधिक आर्थिक विषमता से राजनीति पटरी से उतर जाती है, जिससे लोकतंत्र कमजोर होता है।

इसके परिणामस्वरूप आर्थिक विकास एवं गरीबी उन्मूलन के प्रयास बाधित होते हैं। साथ ही जलवायु परिवर्तन रोकने की कोशिशें कमजोर पड़ती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जिस छोटे से तबके के हाथ में धन का संकेद्रण होता है, सरकारी नीतियों पर उसका शिकंजा कसता चला जाता है। यानी यह ऐसा घुन है, जो लोकतंत्र को कुतर डालता है। टास्क फोर्स के मुताबिक भारत में अमीर और गरीब के बीच संपत्ति की खाई पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़ी। साल 2000 से 2023 के बीच देश के शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के धन में 62 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

दुनिया में सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने 2000 के बाद से पैदा हुई नई संपत्ति का 41 प्रतिशत हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया। वहीं दुनिया की निचली 50 प्रतिशत आबादी की संपत्ति में सिर्फ एक प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इन आंकड़ों की रोशनी में इसे बेहतर ढंग से समझा जा सकता है कि इस दौर में भारत सहित ज्यादातर लोकतांत्रिक देशों में क्यों ऐसी ताकतों का उदय हुआ, जिनके राज में वहां लोकतांत्रिक आजादियां सिकुड़ी हैं। कारण है सत्ता के केंद्रों पर अत्यधिक धनवान लोगों का बना नया नियंत्र। बहरहाल, महज इस परिघटना को महज समझना पर्याप्त नहीं है। असल सवाल ऐसी राजनीति का है, जिसमें सत्ता आम जन के पास लौटाने की दृष्टि एवं संकल्प हो।

दिल्ली में आतंक का राष्ट्रीय-वैश्विक स्तर वाला धमाका!

हरिशंकर व्यास

मतदान से पहले पूरा भारत जब धमाके से भला गूंजा तो मतगणना का दिन बिना धमाके के कैसे होगा? यों 14 नवंबर का दिन नेहरू जयंती का दिन है सो, मामूली बात नहीं जो इस दिन बिहार ने बताया है कि पीढ़ी नई हो, युवा हो, प्रौढ़ हो या बुजुर्ग या फिर महिला व पुरूष और जातियों की टोलीबाजी के सभी मतदाताओं को प्रभावित करता है धमाका, पैसा, झुनझुना और जुमले। सबसे बड़ी बात वोटों की फैक्टरी का वह प्रबंधकीय कौशल, जिसमें ए से ले कर जेड तक के सभी फॉर्मूलों के छब्बीसों विकल्पों के उपयोग का रोडमैप बना हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की मशीनरी ने महाराष्ट्र के बाद बिहार में जो ताजा कौशल बताया है वह इस नाते ऐतिहासिक है क्योंकि 140 करोड़ लोगों की भीड़ की 60 प्रतिशत नौजवान आबादी का यह परीक्षाफल जैसा है।

यह परीक्षाफल राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, प्रशांत किशोर, अखिलेश यादव, आगे ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी या दीपेंद्र हुड्डा, सचिन पायलट, अरविंद केजरीवाल, स्टालिन के बेटे की मुकाबले की क्षमताओं का भी संकेत है। सोचें, तेजस्वी यादव ने क्या नहीं किया? तो उनके लिए जुटी बेइंतहां भीड़ ने जोश दिखलाने में क्या कोई कमी दिखाई? मगर नतीजे उलटे निकले। यह सोचना फिजूल है कि तेजस्वी, प्रशांत किशोर, मुकेश सहनी से उनके समवर्ती चिराग पासवान सियासी तौर पर ज्यादा शातिर हैं। बिहार के इन तमाम चेहरों का, स्थानीय चेहरों का विशेष अर्थ नहीं है। जो है वह मोदी-शाह के ए टू जेड विकल्पों तथा प्रबंधकीय बंदोबस्तों, खरीदफरोख्त के तानेबाने, वोटों की असेंबली लाइन के लिए बनी सप्लाई चेन के फॉर्मूलों का है।

उस नाते परीक्षा में सौ में से सौ नंबर लाने का मोदी-शाह का जुगाड़ सचमुच फिर बेमिसाल साबित हुआ है। इसकी बारीकियों का अनुमान लगाना आसान नहीं है। मेरा मानना है कि मोदी-शाह ने बिहार के चुनाव को इस चुनौती में लड़ा कि जेनरेशन जेड का जो हल्ला बना है उसे बिहार के रास्ते पूरे देश से खत्म किया जाए। निश्चित ही बिहार में बेरोजगारी, बेगारी, गरीबी, पिछड़ेपन की हकीकत से नौजवान आबादी के भभकने के सर्वाधिक खतरे थे। वह अब खत्म है। सो, 14 नवंबर 2025 का बिहार जनादेश भारत के यूथ का कोल्ड स्टोर में निर्वासन है।

इससे चुनाव को लेकर अविश्वास निश्चित बढ़ेगा। महाराष्ट्र, हरियाणा के बाद बिहार से भी अविश्वास के विषाणु फैलेंगे। इससे आगे क्या बनेगा इसके जितने अनुमान लगाए वे कम होंगे। बिहार के होहल्ले का मुंह के बल धड़ाम होना मनोवैज्ञानिक तौर पर विपक्ष, खासकर राहुल गांधी, कांग्रेस, अखिलेश, ममता बनर्जी आदि की राजनीति की बोलती बंद करने वाला है। खासकर राहुल गांधी के लिए। उन्होंने बिहार में वह सब किया जो उनके प्रगतिशील सलाहकारों ने सुझाया था। जाति जनगणना, पिछड़ों-दलितों के हक आदि का शोर बना कर उन्होंने मोदी-शाह की जमीन खिसकाने के जितने भी फॉर्मूले अपनाए वे सब बिहार में बेमतलब साबित हुए हैं। हैरानी का यह सवाल मामूली नहीं है कि ऐसा क्या था जिससे बिहार में जनता दल यू- भाजपा को जिताने के लिए ईवीएम मशीन पर थोक में ठप्पे पड़े? क्या नीतीश कुमार इतने लोकप्रिय हो गए जो उनके पुराने रिकॉर्ड इस चुनाव में टूटे? क्या नरेंद्र मोदी का करिश्मा गुजरी छठ से नए अवतार का नया सूर्योदय है? हाल में ऐसा भला क्या हुआ जो डबल इंजन सरकार ने बुलेट ट्रेन वाला जनादेश पाया? मेरे लिए बिहार के ये नतीजे अपेक्षित थे। मैं तब से ऐसा मानने लगा था जब नीतीश-मोदी सरकार ने घर-परिवार की महिलाओं के खातों में दस-दस हजार रुपए जमा कराना शुरू किया। सरकारी खजाने से लोगों के खातों में इतनी तरह की योजनाओं में खटाखट इतना पैसा जमा हुआ कि निर्धन परिवारों में वह छप्पर फाड़ से कम नहीं था।

आंखों में जलन है, गले में खराश है, सीने में तूफान

अजीत द्विवेदी

हर साल नवंबर, दिसंबर में दिल्ली में हिंदी फिल्मों का यह गाना खूब चर्चा में रहता है कि 'आंखों में जलन, सीने में तूफान सा क्यूं है, इस शहर में हर शख्स परेशान सा क्यूं है'। इस साल भी ऐसा ही है। आंखों में जलन है, गले में खराश है, सीने में तूफान सा है, अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या बढ़ रही है लेकिन फर्क यह है कि इस बार सरकार के आंकड़े बता रहे हैं कि हवा की गुणवत्ता ज्यादा खराब नहीं हुई है। दिल्ली में नंगी आंखों से हवा प्रदूषित दिख रही है और लोग उसे महसूस कर रहे हैं। यह साफ दिख रहा है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 'गंभीर श्रेणी' में है या चार सौ से कम नहीं है।

लेकिन सरकार कह रही है कि एक्यूआई पहले 'बेहद खराब श्रेणी' में थी लेकिन अब सुधार हुआ है और अब वह 'खराब श्रेणी' में आ गई है। इसका मतलब है कि एक्यूआई तीन से आसपास थी, जो अब दो सौ या उससे नीचे आ गई है। वास्तविकता और आंकड़ों का यह फर्क इसलिए आया दिख रहा है क्योंकि दिल्ली में अब भाजपा की सरकार है। 27 साल के बाद सत्ता में लौटी भाजपा की सरकार यह साबित करने में लगी है कि उसने नौ महीने के ही अपने राज में हवा की गुणवत्ता सुधार दी है।

हालांकि दिल्ली सरकार अपनी पोल खुद ही खोल रही है। एक तरफ उसकी एजेंसियां कह रही हैं कि वायु गुणवत्ता में कभी भी बहुत ज्यादा खराबी नहीं आई है। उसने 'खराब श्रेणी' का दावा किया है और ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान यानी ग्रैप का पहला चरण लागू किया है। लेकिन दूसरी ओर सरकार खुद ही ऐसे उपायों को लागू कर रही है, जो प्रदूषण बढ़ने पर ग्रैप के दूसरे चरण में लागू किए जाते हैं। मिसाल के तौर पर दिल्ली में भाजपा के नेतृत्व वाले नगर निगम ने बुधवार, 29 अक्टूबर को पार्किंग शुल्क दोगुना कर दिया। ग्रैप का दूसरा चरण लागू करने पर यह किया जाता है। इसी तरह दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने अपने फेरे 30 फीसदी बढ़ाने का ऐलान कर दिया। प्रदूषण बढ़ने पर ही सार्वजनिक परिवहन की सेवाओं में बढ़ोतरी की जाती है। ऐसे ही एक नवंबर से बीएस छह से नीचे के व्यावसायिक वाहनों का दिल्ली में प्रवेश रोकने की घोषणा कर दी गई है। सो, सरकार ऐसे उपाय कर रही है, जिससे लग रहा है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ा है लेकिन दूसरी ओर वह इस बात को स्वीकार करने के लिए राजी नहीं है। उलटे ऐसे आंकड़े पेश कर रही है, जिससे लग रहा है कि दिल्ली में सब कुछ ठीक है।

इसी तरह दिल्ली सरकार ने कृत्रिम बारिश कराने का भी प्रयास किया। आईआईटी कानपुर के साथ मिल कर इसके दो ट्रायल हुए। हालांकि सरकार और आईआईटी दोनों को पता था कि हवा में नमी 10 फीसदी से ज्यादा नहीं है और 50 फीसदी से कम नमी होने पर क्लाउड सीडिंग काम नहीं करता है। फिर भी करीब दो करोड़ रुपए खर्च करके क्लाउड सीडिंग की गई। इसका कोई लाभ नहीं हुआ क्योंकि बारिश नहीं हुई। तब सरकार ने यह दावा शुरू कर दिया कि बारिश भले नहीं हुई है लेकिन इससे वायु प्रदूषण कम करने में मदद मिली है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दावा किया कि हवा में मौजूद खतरनाक धूल कणों में से एक पीएम 10 में 42 फीसदी की कमी आई है। हालांकि यह ट्रायल करने वाले आईआईटी का कहना है कि पीएम 10 में छह से 10 फीसदी तक की कमी आई है। सोचें, सरकार क्या बढ़ा चढ़ा कर पीएम 10 कम होने का दावा कर देगी तो लोगों को प्रदूषण से राहत मिल जाएगी?

ऐसा लग रहा है कि दिल्ली की सरकार हर जगह आंकड़े छिपा कर हकीकत बदलने की कोशिश कर रही है। इस बार दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट जाकर दिल्ली में पटाखों की बिक्री शुरू कराई। अदालत ने हालांकि तीन दिन तक ग्रीन पटाखे बेचने की इजाजत दी थी लेकिन कई दिन तक पटाखे बिके और दिवाली पर खूब पटाखे चले। फिर भी दिवाली के अगले दिन कहा गया कि वायु प्रदूषण नहीं बढ़ा है। दावा किया गया कि एक्यूआई तीन सौ आसपास रहा यानी 'बेहद खराब श्रेणी' तक ही हवा की क्वालिटी बिगड़ी। हालांकि बाद में खबरें आईं कि दिवाली की रात को जिस समय एक्यूआई सबसे ज्यादा बिगड़ी उस समय के आंकड़े नहीं जोड़े गए। यानी दिवाली के अगले दिन का एक्यूआई पीक पॉल्यूशन के आंकड़ों के बगैर निकाला गया। सोचें, आंकड़ों के साथ ऐसी धोखाधड़ी कोई जिम्मेदार सरकार कैसे कर सकती है? अभी जो भी प्रदूषण है उसके लिए दिल्ली सरकार ने सारा ठीकरा पंजाब पर फोड़ दिया है। जैसे आम आदमी पार्टी की सरकार भाजपा शासित राज्यों में पराली जलाए जाने को दिल्ली के प्रदूषण के लिए जिम्मेदार बताती थी वैसे ही भाजपा की दिल्ली सरकार पंजाब की आप सरकार को जिम्मेदार ठहरा रही है। कहा जा रहा है कि पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं के कारण दिल्ली में प्रदषण बढ़ा है।

हवा के साथ साथ यमुना की सफाई के मामले में भी दिल्ली सरकार का यही रवैया है। दिल्ली में सरकार बनने के बाद पहले दिन से दिल्ली सरकार और भाजपा नेताओं ने यमुना में सफाई का कथित अभियान शुरू किया। ड्रेजिंग करने वाली मशीनें लगा दी गईं। लेकिन हकीकत यह है कि छठ के समय तक यमुना के पानी में रत्ती भर सुधार नहीं हुआ। कहीं कहीं सफाई हुई लेकिन पानी में ऑक्सीजन का स्तर नहीं बढ़ा और पहले की तरह झाग बनती रही। झाग हटाने के लिए उसी केमिकल का इस्तेमाल किया गया, जिसका आप सरकार के समय इस्तेमाल किए जाने पर भाजपा पानी में जहर मिलाने के आरोप लगाती थी। अंत में जब यमुना का पानी साफ नहीं हुआ और बिहार विधानसभा चुनाव के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छठ घाट पहुंचने का कार्यक्रम बन गया तो यमुना के तट पर गंगा के पानी से एक तालाब निर्मित किया गया। उसके सहारे यमुना की सफाई का दावा किया गया। लेकिन आम आदमी पार्टी के नेताओं की सक्रियता से इसकी पोल खुल गई और बाद की शर्मिंदगी से बचने के लिए प्रधानमंत्री वहां नहीं गए।

अब सवाल है कि क्यों दिल्ली की सरकार हवा की गुणवत्ता या यमुना की सफाई के मामले में इस किस्म के दावे कर रही है? दिल्ली में 27 साल से भाजपा की सरकार नहीं थी। इन 27 वर्षों में यमुना लगातार गंदी होती गई और ट्रैफिक से लेकर कई और घटनाक्रम रहे, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ा। इसमें भाजपा की कोई गलती नहीं है। फिर अगर वह नौ महीने में हवा की गुणवत्ता नहीं सुधार सकी या यमुना की सफाई नहीं कर सकी तो इसके लिए कोई उसे दोष नहीं देगा। उसे ईमानदारी से बताना चाहिए कि उसे सिर्फ नौ महीने ही मिले हैं और इतना समय पर्याप्त नहीं है। उसे अपनी ईमानदार कोशिशें दिखानी चाहिए। लेकिन उलटे उसने आंकड़े छिपा कर हकीकत को दबाने का प्रयास किया और झूठ फैलाया। इससे उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं। यह धारणा बनती है कि दिल्ली सरकार को कुछ करना नहीं है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

कॉन्फ्लूएंस कॉलेज में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस

दुर्ग। कॉन्फ्लूएंस कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन के पुस्तकालय विभाग द्वारा राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस 2025 का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययनशीलता, पुस्तकालय उपयोग और ज्ञान-संपन्न वातावरण के प्रति रुचि बढ़ाना था। लाइब्रेरियन धर्मेंद्र साहू ने दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान का प्रकाश-स्तंभ है; विद्यार्थियों को इसकी ओर प्रेरित करना हमारा दायित्व है। उन्होंने डॉ एसआर रंगनाथन के योगदान का भी स्मरण किया। प्राचार्य डॉ. रचना पांडेय ने कहा, ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सृजनात्मक सोच, शोध प्रवृत्ति और पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करते हैं। पुस्तकालय शैक्षणिक उत्कृष्टता का आधार है।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण में सोत्साह भाग लेने की अपील

भिलाई। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया गया है, यदि किसी मतदाता को गणना प्रपत्र नहीं मिला हो तो स्थानीय बीएलओ से संपर्क करें। अंतिम तारीख का इंतजार न करें। गणना प्रपत्र नियत समय पर बीएलओ के पास जमा नहीं करने पर संबंधित मतदाता का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से कट जाएगा तथा मतदाता को दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करने, नाम जुड़वाने के लिए पुन: फॉर्म भरने या अन्य असुविधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आयुक्त नगर पालिक निगम की ओर से अपील की गई है कि विशेष सघन पुनरीक्षण में उत्साह से भाग लें और बीएलओ को सहयोग प्रदान करें। किसी भी तरह की कठिनाई होने पर बीएलओ, जोन कार्यालय स्थित हेल्प डेस्क या टोल फ्री नंबर 0788- 2294303 पर संपर्क कर सकते हैं।

मोबाइल टावरों का 7 दिन में कराएं नवीनीकरण

दुर्ग। नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा शाम 4 बजे डाटा सेंटर दुर्ग में राजस्व विभाग, लायसेंस विभाग में वसुली एवं वसुली पर की कार्यवाही के संबंध में समीक्षा बैठक आहुत की गई है, उक्त बैठक में राजस्व वसुली लक्ष्य के अनुरूप नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा आयुक्त द्वारा बैठक में निर्देशित किया गया कि नगर निगम दुर्ग सीमा क्षेत्रान्तर्गत स्थापित मोबाईल टावरों का विगत कई वर्षों से नवीनीकरण नहीं होने से मोबाईल टावर संचालकों द्वारा अवैध रूप से बैगर नवीनीकरण के संचालन किया जा रहा है, जो कि नियमों के विपरीत है।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में सुरक्षित 'पारा - सुरक्षित लड़कपन' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूनिसेफ छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में सुरक्षित पारा-सुरक्षित लइकापन 3.0 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय के सभागार में संपन्न कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, डॉ. नीता बाजपेयी, राज्य एनएसएस अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग ने कहा कि किशोरों और युवाओं को सुरक्षित वातावरण, समान अवसर तथा संवेदनशील व्यवहार की दिशा में जागरूक करना आज की आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता अभिषेक त्रिपाठी, विशेषज्ञ, यूनिसेफ ने बच्चों एवं किशोरों की सुरक्षा, लैंगिक समानता और सामुदायिक सहभागिता पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने स्वयंसेवकों को यूनिसेफ के विभिन्न अभियानों से भी परिचित कराया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों में सामाजिक संवेदना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का उत्कृष्ट माध्यम हैं।

एनएसएस समन्वयक, डॉ. जनेन्द्र दीवान ने आयोजन के उद्देश्य और पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना झा एवं डीन, डॉ. जे. दुर्गा प्रसाद राव भी कार्यशाला में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ शिल्पा कुलकर्णी तथा स्वयं सेवकों तथा महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

व्यापारी एकता की पहचान बनेगा भिलाई गौरव दिवस

भिलाई चेंबर ऑफ कॉमर्स का महत्वाकांक्षी आयोजन 19 को

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई चेंबर ऑफ कॉमर्स ने द्वारा 19 दिसंबर 'भिलाई गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। यह दिन हर भिलाईवासी और व्यापारी समाज के लिए गर्व का अवसर है, क्योंकि इसी दिन ही भिलाई को छत्तीसगढ़ चेम्बर में स्वतंत्र जिला का दर्जा प्राप्त हुआ था। यह आयोजन व्यापारी एकता, संघर्ष और संगठन की ताकत का प्रतीक माना जाता है।

गौरव दिवस का उद्देश्य भिलाई के व्यापार, उद्योग, संस्कृति और समाज के योगदान को सम्मान देना है। इस दिवस नई पीढ़ी को इस परंपरा से जोड़ने के लिए युवा उद्यमियों को प्रोत्साहन, प्रशिक्षण और समाजहित के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में भिलाई चेंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने तैयारियों पर चर्चा की। बैठक

में विकास जायसवाल को कार्यक्रम का संयोजक और भूपेंद्र नेमा को समन्वयक नियुक्त किया गया।

श्री भसीन ने कहा कि गौरव दिवस 19 दिसंबर को हम न केवल गौरव दिवस मनाते हैं, बल्कि उस एकता और संघर्ष को भी याद करते हैं जिसकी वजह से भिलाई को जिला का दर्जा मिला। व्यापारी समाज केवल करदाता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की धुरी है। इस दिन हर व्यापारी अपने कर्तव्य और संगठन की शक्ति को महसूस करता है।

चेंबर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्र ने कहा कि भिलाई गौरव दिवस हमारे संगठन की पहचान और आत्मसम्मान का प्रतीक है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि संगठित होकर ही हम व्यापारी समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। इस वर्ष गौरव दिवस को और भव्य स्वरूप में मनाया जाएगा

चेयरमैन दिनकर बासोतिया ने कहा कि गौरव दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी का दिवस है। इस दिन चेंबर हर व्यापारी तक पहुँचेगा और उन्हें संगठन से जोड़ने का कार्य करेगा। यह अभियान पूरे जिले में चलाया जाएगा।

संयोजक विकास जायसवाल ने कहा कि हम इस गौरव दिवस को युवाओं के लिए प्रेरणा दिवस बनाएंगे। युवाओं को उद्यमिता की दिशा में प्रशिक्षित किया जाएगा, उनकी समस्याएँ सुनी जाएँगी और उनके समाधान के लिए विशेष योजनाएँ बनाई जाएँगी। हमारा उद्देश्य है कि हर युवा व्यापारी आत्मनिर्भर बने। समन्वयक भूपेंद्र नेमा ने कहा इस कार्यक्रम में व्यापारी सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुति, डिजिटल पेमेंट एवं जीएसटी जागरूकता सत्र, और सामाजिक सहयोग अभियान आदि शामिल रहेंगे। बैठक में सुमन कन्नौजे, पवन जिंदल, शिवराज शर्मा, प्रेम रतन गहलोत, भूषण अदलक्खा, चिन्ना राव, गौरव मंगिया, अखराज ओस्तवाल, प्रदेश मंत्री मनोहर कृष्णानी, हरप्रीत कौर, सरोजनी पाणिग्रही, सविता शर्मा, शामिल हुए।

फरीद नगर लाल मैदान में मलबा डंप करने वाले पर होगी कार्रवाई

भिलाई। नगरपालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 1 के अंतर्गत फरीदनगर लाल मैदान ग्राउंड में कुछ बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर द्वारा बिल्डिंग मटेरियल एवं सी एण्ड डी (ठोस अपशिष्ट) मटेरियल जो मलवा के रूप में रहता है । लोगों के घर निर्माण के समय निकलने वाले मलबे को एकत्रित करके पूरे लाल मैदान में अनाधिकृत रूप से डंप किया गया है। समय-समय पर लोगों को विक्रय कर अनाधिकृत रूप से व्यवसाय किया जा रहा है, जिसके कारण आस पास के नागरिकों को काफी दिक्कत हो रही है। साथ ही कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मछली चिकन के सड़े गले अपशिष्ट डालने के कारण जन मानस को हो रही असुविधा को देखते हुए नगर निगम भिलाई द्वारा उक्त स्थान पर किसी प्रकार का भवन निर्माण सामग्री एवं मलवा डंप करने वालों के विरुद्ध नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 में उल्लेखित धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई किए जाने की सूचना जारी की जा रही है। सूचित किया जाता है कि सम्बन्धित व्यवसाय कर्ता सात दिवस के भीतर अनाधिकृत रूप से डंप किए गए मटेरियल को हटा कर निगम को सूचित करें अन्यथा उन्हें प्रतिदिन अर्थ दंड से दंडित किया जाएगा और उक्त सामग्री को निगम के द्वारा अधिग्रहित कर लिया जाएगा।

पीएम आवास की लाटरी, वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा फर्स्ट फ्लोर

- स्लम-गैर स्लम व किरायेदारों कहु फॉर्चून हाइट्स में रिक्त आवासों पर आवंटन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के मोर मकान-मोर आस घटक के तहत दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में निवासरत किरायेदारों, स्लम एवं गैर स्लम परिवारों के लिए आवास प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा बताया गया कि योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से आवास आवंटित किए जाएंगे।

निगम ने स्पष्ट किया कि वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजन हेतु भूतल के आवास, जबकि सामान्य श्रेणी के आवेदकों को अन्य तलों के आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। इच्छुक हितग्राही कार्यालयीन दिवसों में शाम 05:00 बजे तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

आवेदन नगर निगम दुर्ग के डाटा सेंटर, सेन्ट्रल लाइब्रेरी, योजना शाखा के प्रधानमंत्री आवास योजना काउंटर में किए जा रहे हैं।

आवश्यक दस्तावेज : आधार कार्ड की छायाप्रति, 100 रुपए का नगद भुगतान, पात्रता संबंधी संपूर्ण दस्तावेज (जैसे निवास प्रमाण, आय प्रमाण, किरायेदारी प्रमाण आदि)। हितग्राहियों को अगस्त 2015 से पूर्व दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में निवासरत होने का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ योजना शाखा में जमा किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास फॉर्चून हाईट्स। अन्य रिक्त आवासों की विस्तृत सूची निगम में उपलब्ध है।

प्रसिद्ध मूर्तिकार अंकुश को समाज का पहला परमेश्वरी रत्न सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सुप्रसिद्ध मूर्तिकार डॉ. अंकुश देवांगन को समाज ने प्रथम परमेश्वरी रत्न से अलंकृत किया। यह अलंकरण उन्हें मूर्तिकला और समाज सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए समाज अध्यक्ष घनश्याम देवांगन तथा सचिव विनोद देवांगन के हाथों प्रदान किया गया। इस दौरान समाज के समस्त पदाधिकारी तथा समाज के विशिष्ठ पुरोधागण उपस्थित थे।

प्रथम परमेश्वरी रत्न पुरस्कार प्राप्त करने पर छत्तीसगढ़ के प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डीएस विद्यार्थी, बीएल सोनी, मोहन बराल, प्रवीण कालमेघ मीना देवांगन, साहित्यकार मेनका वर्मा के साथ ही ललित कला से जुड़े हुए देश भर के कलाकारों ने उन्हें बधाई दी है।

ज्ञात हो कि अंकुश देवांगन ने न सिर्फ छत्तीसगढ़ वरन पूरे भारत में एक से बढ़कर एक कलाकृतियों का निर्माण किया है। भिलाई में भव्य कृष्ण अर्जुन रथ, रूआबाधा का पंथी चौक, बोरिया गेट का प्रधानमंत्री ट्राफी चौक, सेक्टर 1 का श्रमवीर चौक, भिलाई निवास के नटराज के अलावा उन्होंने सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट मेला हरियाणा, वसुंधरा उद्यान दुर्गापुर स्टील प्लांट में सैकड़ों मूर्तियां बनाई है। पुरखौती मुक्तांगन रायपुर, मदकूद्वीप, दक्षी राजहरा स्थित विश्व का सबसे बड़ा लौहरथ जो कि छह मंजिल इमारत जितना ऊंचा है।

धान खरीदी केंद्रों में चौकन्ना रहने के पोस्टर

दुर्ग। धान खरीदी सीजन में किसानों की आर्थिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दुर्ग पुलिस द्वारा व्यापक जागरूकता पोस्टर जारी किया गया है। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि इस संदेश को अधिक से अधिक किसानों तक पहुँचाकर सहयोग प्रदान करें। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें। धान खरीदी सीजन में किसान भाई सतर्क रहें। इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खातों में पूरे साल की मेहनत का पैसा आता है। इसी दौरान उठाई गिरोह और साइबर अपराधी सबसे अधिक सक्रिय हो जाते हैं। दुर्ग पुलिस किसानों से अपील करती है कि पैसे की सुरक्षा के लिए सतर्क रहें, अनजान लोगों से दूरी बनाए रखें, और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें।

कायस्थ सभा दुर्ग ने मनाई गोल्डन जुबली

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। मान्यता है कि भगवान चित्रगुप्त की उत्पत्ति ब्रम्हा की काया एवं शिव शंकर के अंर्तमन, चित्रण के फलस्वरूप हुई है। उक्त बातें कायस्थ सभा दुर्ग के कार्यकारी अध्यक्ष प्रोफेसर प्रशांत कुमार श्रीवास्तव ने कहीं। वे कायस्थ समाज दुर्ग की स्थापना की गोल्डन जुबली के अवसर पर कहीं। इस दौरान नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गयी।

डॉ. सरिता श्रीवास्तव द्वारा निर्देषित नृत्य नाटिका में भगवान शिव, पार्वती, इन्द्रदेव, इन्द्राणी, चित्रगुप्त, गुरू बृहस्पति एवं कामधेनु गाय की भूमिका अदा करते हुए शानदार एवं मार्मिक नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया। नृत्य नाटिका में ध्वनि एवं शब्द संयोजन डॉ. सरिता

श्रीवास्तव एवं प्रशांत श्रीवास्तव पूर्व सांस्कृतिक सचिव का था। अभिनय करने वालों में आराधना खरे, सुप्रिया वर्मा, रश्मि श्रीवास्तव, अंषिका श्रीवास्तव, संतोष खरे, मनीषा श्रीवास्तव शामिल थे।

स्वर्ण जयंती समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रसिध्द नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ बुध्दि के लिए जाने जाते है। हम सभी को शासकीय नौकरी के साथ स्वरोजगार की तरफ भी ध्यान देना चाहिए। डॉ. श्रीवास्तव ने कायस्थ सभा भवन, दुर्ग के जीर्णोध्दार हेतु 1.00 लाख रूपये की राशि देने की भी घोषणा की। साथ ही समाज के वृध्दजनों का नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा की घोषणा की। उनकी धर्मपत्नी एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव भी उपस्थित थी।

साइंस कालेज में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

जनजातीय समाज के योगदान के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व की पुनर्स्थापना होनी चाहिए

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालर्य में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहसंयोजक डॉ जीएस ठाकुर ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के 200 वर्ष पूर्व से ही जनजातीय समाज देश में सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान देता रहा है और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में अमूल्य योगदान रहा है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि भारत की सभ्यता का स्वरूप जनजातीय समाज के बिना अधूरा है। आज जब भारत विकास के नए शिखरों की ओर अग्रसर है, तब यह आवश्यक है, कि हम जनजातीय समाज के योगदान के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को पुन: स्थापित करें।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वेद प्रकाश सिंह जनजातीय अध्ययन विशेषज्ञ, रायपुर ने जनजातियों के

योगदान को चिन्हाकिंत किया तथा बताया कि समाज ने अंग्रेजों के खिलाफ छत्तीसगढ़, झारखण्ड, उड़ीसा ही नहीं पूर्व जनजातीय समाज ने भारतीय जीवन पध्दति की नींव रखी। जनजातीय समाज ने प्रकृति समुदास पीढ़ी जीवित रखा। पर्यावरण संरक्षण, लोककला और लोकगण को पीढ़ी दर वेरियर एल्विन जैसे विदेशी पहाड़ियों ने जनजातीय समाज की संस्कृति उनकी गरिमा को क्षीण करने की कोशिशें लगातार की।

विषिष्ट अतिथि शिवेन्द्र सिंह परिहार, अध्यक्ष, महाविद्यालयीन जनभागीदारी समिति ने कहा कि आज हम सभी जनजातीय गौरव दिवस एवं भारत माता के अद्भुत सपूत भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के पावन अवसर पर एकत्रित हुए है। यह दिन हमें हमारे इतिहास, संस्कृति और अस्मिता की गहरी जड़ों से जोड़ता है। इस अवसर पर अंतर्महाविद्यालयीन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 17 महाविद्यालयों के 170 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में धनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय की आराधना सोनी को प्रथम स्थान, विज्ञान महाविद्यालय के राघवेन्द्र सिंह द्वितीय एवं शासकीय महाविद्यालय, बोरी के किशन कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। भूमिका साहू एवं फूलप्रीत कौर को सांत्वना पुरस्कार मिला। चित्रकला प्रतियोगिता में भिलाई मैत्री कालेज के पुष्पेन्द्र नागवंशी प्रथम, शंकराचार्य महाविद्यालय के अभिषेक शर्मा द्वितीय एवं भिलाई महिला महाविद्यालय से तृप्ति साहू को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। रंगोली प्रतियोगिता में शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग की हेमपुष्पा दुबे प्रथम, भिलाई मैत्री कालेज की मुस्कान कष्यप द्वितीय एवं नीलम ठाकुर तृतीय स्थान पर रहीं।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

भैरमगढ़ में दो ठिकानों पर 350 बोरी अवैध धान जप्त

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर 15 नवंबर से धान खरीदी जारी है। इसी बीच जिला प्रशासन अवैध धान के भंडारण और परिवहन पर विशेष सतर्कता बरत रहा है। बीजापुर जिला महाराष्ट्र और तेलंगाना की सीमाओं से घिरा होने के कारण, अन्य राज्यों से धान के अवैध प्रवेश की संभावना को देखते हुए सभी अंतरराज्यीय चेक पोस्टों पर 24 घंटे निगरानी की जा रही है। इसी सघन जांच अभियान के तहत भैरमगढ़ के एक कॉम्प्लेक्स में निवासी राशि रमन पटेल एवं राजा मिश्रा के कब्जे से करीब 350 बोरी अवैध धान जप्त किया गया है। धान की जांच कर उसे प्रशासन ने अपने कब्जे में लिया और नियमानुसार कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे केवल वैध और स्वयं का उत्पादित धान ही बेचें, तथा किसी भी अवैध गतिविधि से दूर रहें, ताकि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रहे।

धान खरीदी के बीच बारदानों में लग रही आग

जांजगीर-चांपा/कवर्धा। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी जारी है, इसी बीच दो अलग-अलग जिलों से बारदाना में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं ने हलचल मचा दी है। विधायक ब्यास कश्यप ने सरकार पर निशाना साधा है। पहली घटना जांजगीर-चांपा जिले की पामगढ़ थाना क्षेत्र के लगरा सेवा सहकारी समिति की है। यहां धान खरीदी केंद्र के सामने चबूतरे में रखे 40 गठान नए बारदाने में अचानक आग लग गई। बारदाना जलकर राख हो गया और करीब 20 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। दूसरी घटना कवर्धा जिले के पंडरिया क्षेत्र के कुंआमालगी गांव में हुई, जहां बारदाने में रखे लगभग 500 धान बोरों में आग लग गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने एकजुट होकर आग पर काबू पाने की कोशिश की और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस आगजनी की घटना में करीब 5 लाख रुपये का बारदाना जलकर नष्ट हो गया है। यहां भी आग लगने का कारण अज्ञात है।

17 जिलों में शुरू की जाएगी डायल 112 की सेवा

रायपुर। डायल 112 द्वितीय फेस के क्रियान्वयन में पुलिस अधीक्षक डायल 112 अविनाश ठाकुर के मर्गदर्शन में सेक्टर-03 ग्राम तेन्दुआ-02 नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ के 17 जिलों (बालोद, बलौदाबाजार-भाटापारा, बलरामपुर-रामानुजगंज, बेमेतरा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, धमतरी, जशपुर, कांकेर, कोण्डागांव, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मुंगेली, नारायणपुर, सुकमा, सूरजपुर, गरियाबंद) से आये ईआरयू टीम के लगभग 450 से ज्यादा आरक्षक/प्रधान आरक्षक हेतु तीन दिवसीय डायल 112 तकनीकी एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक केपीएस धुर्वे तथा तकनीकी कम्पनी सीडैक के तकनीकी विषेषज्ञ गौरव वर्मा ने ईआरयू वाहनों में स्थापित पोर्टेबल फील्ड टर्मिनल के संचालन व उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

पहले आदिवासी आईएएस बने कोरबा के सुरेश जगत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के पाली विकासखंड के परसदा गांव के सुरेश जगत ने इतिहास रचते हुए राज्य गठन के बाद प्रथम आदिवासी भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी बनने का गौरव हासिल किया है। वर्ष 2018 की यूपीएससी परीक्षा में 556वीं रैंक प्राप्त कर उन्होंने पश्चिम बंगाल कैडर हासिल किया और वर्तमान में वे दार्जिलिंग में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (एडीएम) के पद पर सेवाएँ दे रहे हैं। सुरेश जगत ने अपनी शिक्षा की शुरुआत गांव के प्राथमिक स्कूल से की। वे आगे चलकर 12वीं बोर्ड में प्रदेश की मेरिट लिस्ट में पाँचवें स्थान पर रहे। इसके बाद उन्होंने एनआईटी रायपुर से इंजीनियरिंग की और करियर की कई बड़ी संभावनाओं के बीच भी प्रशासनिक सेवा को लक्ष्य बनाया। वे एक ग्रेजुएट इंजीनियर हैं।

वैवाहिक संबंध से इंकार भी मानसिक क्रूरता, पति की तलाक याचिका मंजूर

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट किया है कि पति को वैवाहिक संबंध बनाने से लगातार रोकना मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए पति की अपील स्वीकार कर तलाक मंजूर कर दिया। न्यायमूर्ति रजनी दुबे और न्यायमूर्ति एके प्रसाद की खंडपीठ ने फैसले में कहा कि पति-पत्नी के बीच 11 वर्ष का अलगाव और पत्नी का दांपत्य संबंध निभाने से साफ इनकार मानसिक उत्पीड़न माना जाएगा। कोर्ट ने पति को आदेश दिया कि वह दो महीने के भीतर पत्नी को 20 लाख रुपए स्थायी गुजारा भत्ता दे।

अंबिकापुर निवासी 45 वर्षीय युवक ने बताया कि उसकी शादी 30 मई 2009 को रायपुर की एक युवती से हुई थी। आरोप है कि विवाह के करीब एक महीने बाद ही पत्नी उसे छोड़कर मायके चली गई और साथ रहने में रुचि नहीं दिखाई। पति का कहना था कि पत्नी दांपत्य कर्तव्यों को निभाने से इनकार करती थी और

शारीरिक संबंध बनाने पर आत्महत्या की धमकी तक देती थी। वर्ष 2013 में पत्नी कुछ दिन उसके साथ रही लेकिन तब भी वैवाहिक संबंध स्थापित करने से बचती रही। मई 2014 से वह लगातार मायके में रह रही है और पति के प्रयासों के बावजूद लौटने को तैयार नहीं हुई। पति ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)के तहत तलाक की याचिका दायर की, पर फैमिली कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। फिर पति हाईकोर्ट पहुंचा।

पत्नी ने पति के आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि पति योग-साधना में मग्न रहता था और वैवाहिक जीवन में रुचि नहीं लेता। उसने यह भी कहा कि पति बच्चे नहीं चाहता था और मानसिक शारीरिक प्रताड़ना देता है।

रिकॉर्ड और दोनों पक्षों के बयान देखने के बाद कोर्ट ने पाया कि दोनों 11 साल से अलग रह रहे हैं और पत्नी ने जिरह में स्वयं स्वीकार किया कि वह पति के साथ रहना नहीं चाहती। अदालत ने इसे मानसिक क्रूरता मानते हुए कहा कि रिश्ते में वापसी की संभावना न होना भी तलाक का आधार है। आखिर में हाईकोर्ट ने पति की अपील मंजूर कर तलाक दे दिया।

सेप्टिक टैंक में सरिया की जगह लगा दिया बांस, उग आया पौधा

बकावंड में शौचालय निर्माण के दौरान गंभीर लापरवाही, पूर्व सरपंच ने जताई आपत्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

बकावंड। ये बकावंड है जनाब, यहां उल्टे बांस बरेली को वाली कहावत अक्सर चरितार्थ होती रहती है। क्या आपने कहीं देखा या सुना है कि बांस से भी शौचालय का सेप्टिक टैंक बनाया जा सकता है? इस असंभव कार्य को संभव कर दिखाया है भ्रष्ट सिस्टम ने। सेप्टिक टैंक में लगानी थी लोहे की रॉड, मगर लगा दिए बांस। अब बांस वाला यह टैंक कब तक टिकेगा, कहा नहीं जा सकता।

विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत पाईकपाल में सामुदायिक शौचालय निर्माण में गंभीर लापरवाही और अनियमितता सामने आई है। जानकारी के अनुसार, शासन द्वारा स्वीकृत सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य पूर्व सरपंच के कार्यकाल में प्रारंभ किया गया था, लेकिन वर्तमान सरपंच सोमारी कश्यप एवं पंचायत सचिव लिंगोराम विश्वकर्मा द्वारा सेप्टिक टैंक के निर्माण में बड़े पैमाने पर गुणवत्ता से समझौता किया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सेप्टिक टंकी में जहां मजबूत आरसीसी

निर्माण के लिए स्टील रॉड (रीबार) का उपयोग अनिवार्य होता है, वहां उसकी जगह बांस का उपयोग किया गया है। आरोप है कि यह काम पूरी तरह मनमानी तरीके से कराया गया और निर्माण के दौरान किसी भी तकनीकी मानक का पालन नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जब भी इंजीनियर निरीक्षण के लिए पहुंचते हैं, निर्माण में दिख रही अनियमितताओं को अनदेखा कर दिया जाता है। इससे निर्माण कार्यों की निगरानी पर प्रश्न खड़े हो रहे हैं।

पूर्व सरपंच ने जताई आपत्ति

पूर्व सरपंच घासीराम बघेल ने भी वर्तमान निर्माण की गुणवत्ता पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सेफ्टी गड्ढे में रॉड के बजाय बांस का उपयोग किया गया है। यह संरचना बहुत दिनों तक टिक नहीं पाएगी और कभी भी क्षतिग्रस्त हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि कमजोर निर्माण के कारण भविष्य में टंकी धंसने या टूटने का खतरा बना रहेगा, जिससे दुर्घटना की आशंका भी है।अब ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से तत्काल तकनीकी जांच, जिम्मेदारों पर कार्यवाही, एवं मानकों के अनुसार पुनः निर्माण की मांग की है।

वर्सन

होगी निर्माण की जांच
मौके पर पहुंच कर मुआयना करूंगा, तभी कह सकूंगा।
-शानू मौर्य, रोजगार मिशन प्रभारी

नए सिरे से होगा निर्माण
अगर किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई गई तो सेप्टिक टैंक को तोड़ कर पुनः बनावाया जाएगा।
-विविध सिंह, एसडीओ

धान खरीदी के दौरान काम से इंकार करने पर 4 के खिलाफ एफआईआर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हो रही है। धान खरीदी में ड्यूटी लगाने के बाद भी काम नहीं करने वाले 4 ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की खबर है। एस्मा के नियमों की अनदेखी करने पर रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर सख्ती बरती गई है। जल्द इन अधिकारियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

बता दें कि सहकारी समितियों के कर्मचारी चार सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। धान खरीदी प्रभावित न हो, इसके लिए सरकार ने धान खरीदी में लगे अधिकारियों-कर्मचारियों पर एस्मा लगाया है। धान खरीदी के दौरान काम से मना करने पर कानूनी कार्रवाई के निर्देश भी दिए थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ये 4 अधिकारी किसी भी तरह का काम नहीं कर रहे थे। साथ ही काम करने वाले दूसरे अधिकारियों को भी रोक रहे थे, जिसके चलते चार ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की खबर सामने आई है।

धान खरीदी के पहले दिन प्रदेश में रविवार तक कुल 195 उपार्जन केन्द्रों में 19464 क्विंटल धान का उपार्जन किसानों से किया गया। शासन द्वारा राज्य के 2,739 उपार्जन केन्द्रों में खरीदी संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई है।

उल्लेखनीय है कि सहकारी समितियों के कर्मचारियों द्वारा आंशिक रूप से हड़ताल पर जाने से उपार्जन प्रभावित होने की संभावना उत्पन्न हुई थी, जिसे शासन के निर्देश पर विपणन संघ द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से 2,739 डेटा एंट्री ऑपरेटरों की व्यवस्था कर सुचारू रूप से धान उपार्जन सुनिश्चित किया गया। कई जिलों में सहकारिता विभाग के कर्मचारियों ने भी धान उपार्जन की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए खरीदी कार्य को निरंतर बनाए रखा।

बाल सुरक्षा पखवाड़े में दी गुड-टच बैड-टच, जेजे कानून की जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। एसपी धमतरी के निर्देशन में धमतरी पुलिस द्वारा बाल सुरक्षा सप्ताह के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में स्कूलों में विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को गुड टच-बैड टच, पोक्सो एक्ट, जेजे एक्ट, नशे के दुष्परिणाम, तथा साइबर अपराधों से बचाव के बारे में शिक्षित कर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सरस्वती शिशु मंदिर रूद्री थाना रूद्री द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर रूद्री में बाल सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां बच्चों को - गुड टच-बैड टच पोक्सो अधिनियम जेजे अधिनियम नशे से होने वाले दुष्परिणाम इंटरनेट व सोशल मीडिया से जुड़े साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई।

इसी तरह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवपुर थाना सिहावा द्वारा देवपुर हायर सेकंडरी स्कूल में बच्चों को बाल सुरक्षा, आत्म-सुरक्षा, साइबर जागरूकता एवं कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। छात्र- छात्राओं ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

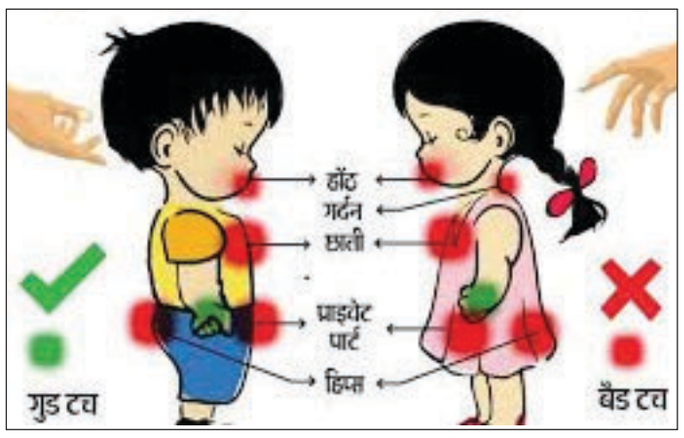

थाना अकलाडोंगरी- शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला, तिर्रा थाना अकलाडोंगरी द्वारा ग्राम तिर्रा की प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में नशा मुक्ति एवं साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानपाठक, शिक्षकगण, थाना प्रभारी, स्टाफ तथा ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्राथमिक शाला मारेली एवं सरस्वती शिशु मंदिर मारेली चौकी बिरेझर द्वारा मारेली प्राथमिक शाला एवं सरस्वती शिशु मंदिर में बच्चों को नशा मुक्त जन जागरूकता एवं साइबर जागरूकता के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराते हुए सुरक्षा उपाय बताए गए। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल भखारा, आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में भी विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। धमतरी पुलिस की अपील- धमतरी पुलिस अभिभावकों, शिक्षकों एवं समाज के सभी वर्गों से अपील करती है कि - बच्चों को संवेदनशील विषयों पर जागरूक करें उन्हें डिजिटल सुरक्षा के उपाय सिखाएँ किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल 112 या नजदीकी थाना/चौकी में दें।

आईसीयू में भर्ती मरीजों के परिजनों को डॉक्टर नहीं देते सही जानकारी

योजनाओं का दुरुपयोग रोकने स्क्रीनिंग कमेटी बनाने की मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में जहां स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा हुआ है। वहीं राजधानी के कुछ बड़े अस्पतालों में आईसीयू में गंभीर अवस्था में भर्ती मरीजों के परिजनों के साथ लगातार दुव्यर्वहार किये जाने की शिकायतें मिल रही हैं। अस्पताल प्रबंधनों द्वारा आईसीयू भर्ती मरीजों से परिजनों के मिलने के लिए समय भी निर्धारित किया गया है। किंतु मरीज की देखरेख करने वाले चिकित्सक मरीज के बारे में परिजनों को सही सही जानकारी नहीं देते। जिसकी वजह से परिजनों में गहन आक्रोश है।

बढ़ईपारा निवासी राजकुमार साहू ने बताया कि उनके पिता राजधानी के एक ख्याति प्राप्त अस्पताल में जब भर्ती थे। चिकित्सक उनके बारे में समुचित जानकारी नहीं देते थे। जबकि चिकित्सकों का यह दायित्व है कि भर्ती मरीजों के बारे में परिजनों को सही सही जानकारी दी जाए। किंतु अधिकांश मरीजों के परिजनों का आरोप है कि मरीज की दशा पूछने पर चिकित्सक झिड़क देते हैं अथवा दुर्व्यवहार करते हैं।

इधर राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियंत्रण नहीं होने के कारण बिलों के मामलों में भी बड़े अस्पतालों में खुलेआम लूट जारी है। यहां तक की आयुष्मान कार्ड से इलाज करा रहे मरीजों से भी ऊपरिहा पैसा वसूला जा रहा है। शासन की योजनाओं में स्क्रीनिंग कमेटी का गठन नहीं होने के कारण अधिकांश राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं का निजी चिकित्सक संस्थान प्रबंधकों द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है।

बिलासपुर के चिकित्सक डॉ. आरके पांडेय ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. श्यामबिहारी जायसवाल से निजी चिकित्सा संस्थानों में डॉक्टरों द्वारा मरीज के परिजनों के साथ दुव्यर्वहार रोकने की मांग की है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की जनकल्याण योजनाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए तत्काल विशेषज्ञों की टीम का गठन कर स्क्रीनिंग कमेटी बनाने की मांग की है। ग्रामीण क्षेत्र के मरीज आए दिन निजी चिकित्सा संस्थानों में बुरी तरह लूटे जा रहे है। वहीं शासकीय चिकित्सा संस्थानों में भी मरीजों की दुर्दशा है।

कन्हर नदी एनिकेट में गाद जमने से सिंचाई का रकबा घटा

श्रीकंचनपथ समाचार

रामानुजगंज। जल संसाधन विभाग द्वारा लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से कन्हर नदी पर एनीकट का निर्माण कराया गया था, ताकि नगर की जलापूर्ति व्यवस्था मजबूत हो सके तथा बरसाती जल का बेहतर संचय किया जा सके। किंतु विभागीय लापरवाही के कारण बरसात से पूर्व एनीकट के सभी गेट समय पर नहीं खोले गए, जिसका प्रतिकूल असर सीधे एनीकट की स्टोरेज क्षमता पर पड़ा है।

वर्तमान स्थिति यह है कि एनीकट अपनी कुल क्षमता का केवल 40 प्रतिशत जल ही संचित कर पा रहा है, जबकि शेष 60 प्रतिशत क्षेत्र में भारी मात्रा में रेत जम गई है। कन्हर नदी पर ही नगर की लगभग 25,000 की आबादी की नियमित जलापूर्ति निर्भर करती

है। ऐसे में एनीकट में स्टोरेज क्षमता का घट जाना गंभीर चिंता का विषय है। यदि जल संग्रहण कम हुआ तो गर्मी के मौसम में पेयजल संकट और अधिक गहराई ले सकता है तथा नगरवासियों को नियमित जलापूर्ति बनाए रखना कठिन हो जाएगा।

वर्तमान स्थिति यह भी दर्शाती है कि यदि समय रहते एनीकट की साफ-सफाई और रखरखाव किया जाता, तो रेत जमाव को रोका जा सकता था और जलस्तर प्रभावित नहीं होता। परिस्थिति को देखते हुए आवश्यक है कि एनीकट में भरी रेत को जल्द से जल्द निकाला जाए, जिससे उसकी मूल जलधारण क्षमता पुनः स्थापित हो सके। रेत हटने से न केवल जलस्तर बढ़ेगा बल्कि भविष्य की जलापूर्ति व्यवस्था भी सुचारू रूप से चल सकेगी। इसके साथ ही जल संसाधन विभाग को इस दिशा में स्थायी समाधान की ओर भी कदम उठाने होंगे, जैसे—बरसात पूर्व गेटों की अनिवार्य रूप से जांच और खोलने की प्रक्रिया सुनिश्चित करना, नदी तल की समय-समय पर सफाई करना तथा एनीकट के रखरखाव को नियमित रूप से प्राथमिकता में रखना। कुल मिलाकर, एनीकट में रेत हटवाना अत्यंत आवश्यक है ताकि नगर की जल आवश्यकता बिना बाधा पूरी होती रहे और भविष्य में जल संकट की संभावनाओं को समाप्त किया जा सके।

धान खरीदी के दौरान अवकाश पर पूर्ण रोक

बीजापुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने हेतु जारी आदेश अब बीजापुर जिले में भी प्रभावी हो गया है। राज्य शासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक चलने वाली धान खरीदी अवधि में संविदा कर्मचारियों को किसी भी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। गृह विभाग, सी-अनुभाग द्वारा कहा गया है कि धान खरीदी जैसे संवेदनशील और प्राथमिकता वाले कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसलिए इस अवधि में कर्मचारियों द्वारा अवकाश लेने या कार्य से इंकार करने की अनुमति नहीं होगी।

15 साल पुराने वाहन कंडम घोषित होंगे

रायपुर। राज्य सरकार ने 15 साल से अधिक पुराने सरकारी और गैर-सरकारी वाहनों को कबाड़ घोषित कर स्क्रैप करने का फैसला कर लिया है। परिवहन विभाग ने सभी विभागों और विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर ऐसे सभी पुराने वाहनों की विस्तृत सूची तुरंत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

कीर्ति सुरेश की फिल्म रिवॉल्वर रीटा का आया ट्रेलर, 28 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज़

रिवॉल्वर रीटा का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जिसमें कीर्ति सुरेश को एक ऐसी कहानी के केंद्र में दिखाया गया है जिसमें साहस, हास्य और तेज़-तर्रार एक्शन का मिश्रण है। नवीना सरस्वती सबधाम (2013) के लिए जाने जाने वाले जे.के. चंद्रू निर्देशन में वापसी कर रहे हैं और इस परियोजना को स्वर और पैमाने के लिहाज से कहीं अधिक महत्वाकांक्षी बना रहे हैं। टीज़र में रीटा को एक गिरोह संघर्ष में फँसा हुआ दिखाया गया है, जहाँ अराजक घटनाओं के कारण उसका रूपांतरण होता है जो उसे तेज़ी और बल के साथ अभिनय करने के लिए मजबूर करती हैं। वहीं ट्रेलर जानबूझकर कथानक के विवरण को छिपाता है और इसके बजाय रीटा के एक खतरनाक क्षेत्र में अप्रत्याशित प्रवेश पर ध्यान केंद्रित करता है।

निर्माण सुधन सुंदरम और जगदीश पलानीसामी द्वारा पैशन स्टूडियो और द रूट बैनर के तहत एक संयुक्त प्रयास है, दोनों ने हाल ही में कई सफल तमिल रिलीज़ का समर्थन किया है। कीर्ति सुरेश के साथ, कलाकारों में राधिका सरथकुमार, सुपर सुब्बारायण, सुनील, अजय घोष, रेडिन किंग्सले, जॉन विजय, कल्याण, सुरेश चक्रवर्ती, कथिरावन, सेंद्रायण, ऑगस्टिन, ब्लेड शंकर, रामचंद्रन, अक्षता अजीत, कुहासिनी और गायत्री शान शामिल हैं, जो फिल्म को एक जीवंत सहायक कलाकार बनाते हैं।

तकनीकी रूप से, फिल्म में मजबूत योगदान हैं छायाकार दिनेश कृष्णन बी ने एक्शन को स्पष्टता के साथ कैद किया है, एक अप्रत्याशित अनुभव के लिए विस्तृत स्थानों और तंग अंदरूनी हिस्सों को बारी-बारी से दिखाया है; संपादक प्रवीण केएल ने लय और गति पर ज़ोर देते हुए एक जीवंत गति बनाए रखी है, एमकेटी ने कला निर्देशन संभाला है, एक ऐसी दुनिया पेश की है जो वास्तविक सेटिंग्स को शैलीगत स्पर्शों के साथ मिश्रित करती है, और स्टंट निर्देशक ढिलिप सुब्बारायण ने सटीक, हास्यपूर्ण एक्शन दृश्यों को कोरियोग्राफ किया है।

रिवॉल्वर रीटा 28 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। ट्रेलर कथानक की बजाय स्वर पर ज्यादा ज़ोर देता है, जिसमें कीर्ति सुरेश के भ्रम से नियंत्रण की ओर तेज़ी से बढ़ते बदलाव दिखाई देते हैं, जो एक ऐसी एक्शन-कॉमेडी का वादा करता है जो व्यक्तित्व, समय और मंचन पर आधारित है। जैसे-जैसे रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, यह फ़िल्म हास्य, तीव्रता और शैली का एक बेजोड़ मिश्रण बनती जा रही है।

राम पोथिनेनी स्टारर फिल्म 'आंध्रा किंग तालुका' की रिलीज डेट में बदलाव, अब 27 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगी

बहुप्रतीक्षित फिल्म आंध्र किंग तालुका अब अपनी मूल रिलीज़ तिथि 28 नवंबर से एक दिन पहले, 27 नवंबर 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। मैथ्री मूवी मेकर्स ने दर्शकों की भारी मांग और बढ़ती चर्चा का हवाला देते हुए इसकी घोषणा समय से पहले की। मैथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले नवीन यरनेनी और रविशंकर यलमनचिली द्वारा निर्मित, यह फिल्म टी-सीरीज़ के साथ एक संयुक्त उद्यम है, और इसके डिजिटल स्ट्रीमिंग अधिकार नेटफ्लिक्स द्वारा अधिग्रहित किए गए हैं।

राम पोथिनेनी इस परियोजना में सागर की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक कट्टर प्रशंसक है और जिसका जीवन उसके आदर्श आंध्र किंग सूर्य कुमार (उपेंद्र द्वारा अभिनीत) के इर्द-गिर्द घूमता है। यह फिल्म नवोदित अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे की तेलुगु में पहली फिल्म है, जिसमें वह मुख्य भूमिका में हैं, जबकि सहायक कलाकारों में राव रमेश, मुरली शर्मा, सत्या, राहुल रामकृष्ण और वीटीवी गणेश शामिल हैं। छायांकन सिद्धार्थ नूनी द्वारा किया गया है, संपादन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्रीकर प्रसाद द्वारा किया गया है, और संगीत नवोदित जोड़ी विवेक-मर्विन द्वारा रचित है।

महेश बाबू पी द्वारा लिखित और निर्देशित, यह कहानी एक नई प्रशंसक-केंद्रित कहानी प्रस्तुत करती है जिसे भारतीय सिनेमा में अभूतपूर्व बताया गया है। 12 अक्टूबर 2025 को रिलीज़ हुए फिल्म के टीज़र ने ज़बरदस्त प्रचार किया, और ट्रेलर का 18 नवंबर को कुरनूल में भव्य लॉन्च होना तय है, जिसमें एक विशाल ड्रोन शो होगा—जो किसी तेलुगु फिल्म के लिए अपनी तरह का पहला होगा। नुव्वुंटे चले, पप्पीशेम और चिन्नी गुंडेलो जैसे गाने पहले ही संगीत चार्ट पर छा चुके हैं, जिसमें राम के गीतकार के रूप में पदार्पण, गायन और ऊर्जावान नृत्य को उजागर किया गया है, जबकि भाग्यश्री बोरसे के साथ उनकी केमिस्ट्री ने शुरुआती प्रशंसा अर्जित की है।

पुष्पा और आरआरआर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए मशहूर मैथरी मूवी मेकर्स, आंध्र किंग तालुका को एक अनोखे सिनेमाई अनुभव के रूप में पेश कर रहे हैं जो दर्शकों के जीवन को पर्दे पर दर्शाता है।

प्रोडक्शन टीम के आक्रामक प्रचार अभियान और फिल्म के दमदार संगीत और स्टार पावर ने सोशल मीडिया पर उत्सुकता बढ़ा दी है। प्रशंसकों की भक्ति, ग्रामीण रोमांस और ज़बरदस्त मनोरंजन के मिश्रण के साथ, यह फिल्म 27 नवंबर 2025 से सिनेमाघरों में एक यादगार प्रदर्शन के लिए तैयार है।

प्रियंका चोपड़ा ने आइवरी लहंगे में खींचा व्यूवर्स का ध्यान, फिल्म 'वाराणसी' से हैं चर्चा में

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इंडियन फिल्मों में वापसी कर रही हैं और अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर काफी बिजी दिखाई दे रही हैं। वहीं हाल ही में अपनी फिल्म के लिए वो हैदराबाद में 'वाराणसी' टाइटल नाम के एक प्रोग्राम में शामिल हुई थीं। इस प्रोग्राम में प्रियंका लंहगा पहने इंडियन लुक में नजर आ रही थीं, जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही थीं। आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा महेश बाबू और एसएस राजामौली की मच अवेटेड फिल्म 'वाराणसी' में 'मंदाकिनी' का किरदार निभाते हुए नजर आने वाली हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इस 'वाराणसी' इवेंट की फोटो को सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जो कि मिनटों में फैंस के बीच वायरल हो गईं और फैंस ने उनके इस देसी लुक की जमकर तारीफ की। वहीं इन वायरल फोटो में पीसी सफेद लहंगा, हैवी ज्वेलरी, गोल्डन कलर के कंगन, माथे पर मांग टीका और सिंपल चोटी पर चोटी बंद पहन कर पोज देते हुए नजर आ रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा इन तस्वीरों में बेहद सुंदर दिख रही हैं और साथ ही उनके पोज और एक्सप्रेशन इस लुक को और भी ज्यादा एस्थेटिक बना रहे हैं। पीसी के देसी लुक में इन फोटोज को देखकर उनके पति निक जोनस से रहा नहीं गया और उन्होंने सरेआम अपनी पत्नी पर प्यार उड़ेल दिया।

प्रियंका चोपड़ा की इन फोटो पर पति निक जोनस ने कमेंट करते हुए लिखा, 'मुझे लगता है कि मैं सबकी तरफ से ये कह रहा हूं ओह माय गॉड।' वहीं निक जोनस के कमेंट के बाद पीसी के फैंस ने उनकी तारीफ में कमेंट्स की बरसात कर दी। प्रियंका की इन तस्वीरों पर एक फैन ने रिएक्ट करते हुए लिखा, 'उफ्फ उफ्फ क्वीन।' तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'मुझे नहीं पता था कि मैं उनके ट्रेडिशनल लुक को इतना मिस करूंगी।' आपको बता दें कि प्रियंका के पोस्ट करते ही उनकी ये तस्वीरें मिनटों में वायरल हो गई थीं।

बता दें एसएस राजमौली और महेश बाबू के कॉम्बिनेशन में बन रही फिल्म की पहली एंट्री छा गई है। एसएस राजमौली की यह फिल्म संभवत: मार्च 2027 में रिलीज होगी और उससे पहले ही इस फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज दिख रहा है। फिल्म एक्सपर्ट का कहना है कि एक बार फिर से एसएस राजमौली स्क्रीन पर छा जाएंगे।

मशहूर गायिका-गीतकार आस्था गिल ने बताया संगीतकार बनने की सोच कैसे बदली

मशहूर गायिका-गीतकार आस्था गिल को कमरिया और डीजे वाले बाबू जैसे गानों के लिए जाना जाता है। वह इन दिनों म्यूजिक रियलिटी शो आई-पॉपस्टार में मेंटर की भूमिका निभा रही हैं। आस्था ने बताया कि कैसे उन्होंने एक कलाकार के रूप में अपनी सोच में बदलाव किया है और इंडस्ट्री को समझने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि किसी भी कलाकार के लिए एक हिट गाना देना उसकी जिम्मेदारी होती है। टीम लगातार बताती रहती है कि बाजार में क्या चल रहा है, क्या परिणाम होने चाहिए और इसे कैसे बनाया जाना चाहिए।

आस्था गिल ने कहा, सच कहूं तो मुझे समझने में बहुत समय लगा। मैं संगीत बनाते समय अटक जाती थी क्योंकि एक संगीतकार के तौर पर मेरा बिजनेस माइंड मेरे अंदर के कलाकार पर हावी हो जाता था। लगभग दो साल से मैं अपनी विचार-प्रक्रिया बदल रही हूं। मैंने जानबूझकर खुद को इस शोर से अलग कर लिया है। मुझे दो साल पहले अहसास हुआ कि मैं अपनी कला में खोई हुई थी। मैं समझ नहीं पा रही थी कि कैसे आगे बढ़ूं। उन्होंने आगे बताया, जब मैं किसी रिकॉर्डिंग सेशन में बैठती थी, तो सोचती थी, मैं अपना गीत लिखना चाहती हूं, मैं अपनी कहानी लिखना चाहती हूं। अब मैंने लिखना शुरू कर दिया है, मैंने अपनी कहानी लिखनी शुरू कर दी है क्योंकि अब मैं उस शोर में नहीं खोई रहती। उस समय मैं समझ नहीं पाती थी कि क्या कमी रह गई है, इसमें मुझे बहुत समय लगा।

कुछ ऐसा थी शोले की इंडिंग देखकर रह जाएंगे दंग

50 साल बाद भारतीय सिनेमा की कालजयी फिल्म शोले एक बार फिर पर्दे पर लौटने जा रही है और इस बार पहले से भी ज्यादा भव्य रूप में। फिल्म को 4के में रिस्टोर कर 1,500 स्क्रीन पर री-रिलीज किया जा रहा है, लेकिन सबसे बड़ा सरप्राइज है इसका असली क्लाइमैक्स, जिसे दर्शक दशकों से सिर्फ सुना करते थे, अब पहली बार वो असली अंत बड़े पर्दे पर दिखेगा। क्या कुछ जानकारी मिली है, आइए जानते हैं।

शोले फिर से सिनेमाघरों में आने वाली है, लेकिन इस बार एक नए रूप में और नए अनुभव के साथ। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने इस क्लासिक फिल्म को 4के क्वालिटी में तैयार किया है, जिसे शोले द फाइनल कट नाम दिया गया है। सबसे खास बात यह है कि इस नए वर्जन में दर्शकों को शोले का असली अंत पहली बार देखने को मिलेगा, जिसे अब तक कोई नहीं देख पाया था।

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि लंबे समय की मेहनत के बाद शोले का 4के रीस्टोरेशन पूरा कर लिया है। फिल्म के असली क्लाइमैक्स में मूल कहानी में ठाकुर गब्बर सिंह को अपने पैरों तले कुचलकर मार देता है, लेकिन फिल्म की रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड ने इस अंत पर आपत्ति जताई थी और क्लाइमैक्स को बदलने के निर्देश दिए थे। अब रिस्टोर वर्जन में दर्शकों को वही असली अंत देखने को मिलेगा।

आसमान की ऊंचाइयों में कैरियर बनाने का सपना अब हो रहा है साकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवाओं का आसमान में उड़ान भरने का सपना अब तेजी से साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विशेष प्रयासों का परिणाम है कि जशपुर जिले के पी.एम. जवाहर नवोदय विद्यालय को थर्ड सीजी एनसीसी एयर स्क्वाड्रन की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसी क्रम में यहां के एनसीसी कैडेट्स अब जगदलपुर में अगले चरण का उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। विद्यालय के पांच कैडेट्स आकाश बंजारे, आर्यन निकुंज, अथर्व भगत, अंश कुमार भगत और उत्कर्ष यहां पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनके कोच कमलेश विश्वकर्मा है।

पहले जशपुर में पहली बार रायपुर के बाहर बेस फ्लाइंग ट्रेनिंग का प्रथम चरण सफलतापूर्वक आयोजित हुआ था। अब दूसरे चरण के लिए जगदलपुर को चयनित किया गया है।

आगामी चरण अंबिकापुर, बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई में प्रस्तावित हैं। यह सभी आयोजन रायपुर ग्रुप तथा मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण सिंगल इंजन ट्वीन सीटर वायरस एसडब्ल्यू 80 विमान से विभिन्न उड़ान कोर्सों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस माइक्रोलाइट विमान में उड़ान भरना कैडेट्स के लिए न केवल हवाई प्रशिक्षण का पहला अवसर है, बल्कि सीमित समय और नियंत्रित वातावरण में उनके निर्णय लेने के कौशल को विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन भी है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेना, भारतीय वायुसेना, जिला प्रशासन तथा पुलिस विभाग का सतत सहयोग मिल रहा है। साथ ही कैडेट्स को एनसीसी के मूलमंत्र एकता और अनुशासन को आत्मसात करते हुए राज्य के भविष्य, विकास और राष्ट्रनिर्माण की मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने जेएनवी के एयर एनसीसी के लिए चयनित 25 विद्यार्थियों को एनसीसी कैडेट्स का बैच लगाकर पंजीयन की थी शुरुआत

मुख्यमंत्री ने विगत दिवस पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के एयर एनसीसी के लिए चयनित 25 मेधावी विद्यार्थियों को एनसीसी कैडेट्स का बैच? लगाकर पंजीयन की शुरुआत की थी। इनमें 13 बालिकाएं और 12 बालक शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने एनसीसी दिवस समारोह के दौरान इच्छा व्यक्त की थी कि छत्तीसगढ़ में केवल रायपुर में ही एयर एनसीसी और उड़ान का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि जगदलपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर और जशपुर जैसे स्थानों पर भी हवाई पट्टियों की सुविधा उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री की इस पहल के सकारात्मक परिणामस्वरूप मार्च माह में जशपुर आगडीह हवाई पट्टी को 3 सीजी एयर एनसीसी स्क्वाड्रन के लिए स्वीकृति प्रदान की गई और एक माइक्रोलाइट विमान को प्रशिक्षण हेतु जशपुर भेजा गया। इस दौरान लगभग 100 कैडेट्स को उड़ान का वास्तविक अनुभव प्रदान किया।

कलेक्टर ने ईचकेला की क्रिकेट खिलाड़ी बालिकाओं को किया प्रोत्साहित

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने रविवार को जशपुर विकास खंड के ग्राम ईचकेला पहुंचकर क्रिकेट खिलाड़ी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया और राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल मिलने पर अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने बालिकाओं प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जशपुर जिले के बच्चे हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। खेल में भी जशपुर के बच्चे बहुत आगे है कोई सा भी खेल हो क्रिकेट हो फूटबॉल, दौड़ हो सभी में बढ़िया प्रदर्शन रहता है। अनुसूचित जनजाति बच्चे हुनरमंद रहते हैं और उनकी प्रतिभा उन्हें आगे बढ़ाती है।

जिला प्रशासन बालिकाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहायता करेंगी बच्चों को खेलने के लिए अच्छा खेल अभ्यास मैदान की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। बच्चों को बेट बाल बालिंग मशीन एवं बच्चों की मांग अनुसार जिला प्रशासन खेल सामग्री देंगी। उन्होंने बच्चों को राष्ट्रीय स्तर में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शासकीय प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास इचकेला के अधीक्षिका श्रीमती पंडरी बाई की क्रिकेट के प्रति जुनून और लगातार प्रयास से क्रिकेट का कोचिंग 3-4 साल से लगातार दिलाया जा रहा है। जिसका परिणाम अभी अंडर 17 के बच्चों ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। कोच संतोष कुमार और शंकर सोनी की लगातार मेहनत का नतीजा है कि जिले के बच्चे पूरे छत्तीसगढ़ में पहला स्थान प्राप्त किए है। ये सफलता जशपुर के लिए बहुत गौरव की बात। सरगुजा संभाग से आकांक्षा रानी ने सर्वाधिक स्कोर किया एवं बोलिंग में नीतिका, गायत्री और अलका रानी ने बोलिंग में अच्छा प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर हरिओम द्विवेदी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग संजय सिंह , सरपंच पंच और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि 25 वीं स्कूल राज्य अंडर 17 गर्ल्स क्रिकेट टूर्नामेंट 6-9 नवंबर को कांकेर में हुआ। पूरे छत्तीसगढ़ से इनमें 5 ज़ोन रायपुर, दुर्ग, बस्तर, बिलासपुर और सरगुजा ने भाग लिया। इस टूर्नामेंट में सभी टीमों को हराकर सरगुजा ज़ोन ने गोल्ड मेडल जीता। सरगुजा टीम में लुथरन स्कूल इचकेला के खिलाड़ियों का काफी योगदान रहा, जिसमें आकांक्षा रानी, अमिषा लकड़ा, जिज्ञासा कुजुर, अनन्या सिदार, गायत्री बाई, अभिलाषी बरा, अविना बाई, झूमुर तिर्की, दीपिका भगत, अलका रानी कुजुर और नितिका बाई शामिल थी। अंबिकापुर से अंशिका राज आर्यन और कुनकुरी से 2 खिलाड़ी शामिल थे।

ये सभी खिलाड़ी ईचकेला होस्टल में रहकर 3-4 साल से नियमित अभ्यास कर रहे हैं, उसी का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ की चौंपियन टीम बन पाई।

केंद्रीय कृषि मंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का वन मंत्री ने किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप और जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने कल शाम केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आगामी 19 नवम्बर को निर्धारित धमतरी प्रवास के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान वन मंत्री कश्यप और मंत्री वर्मा ने आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम स्थल डॉ. शोभाराम देवांगन हायर सेकेंडरी स्कूल का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने मंच निर्माण, स्टॉलों की व्यवस्था, पार्किंग स्थल, आगमन मार्ग, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों का बारिकी से अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मंत्रीद्वय ने हेलीपेड स्थल की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने अब तक हुई तैयारियों और सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। वन मंत्री श्री कश्यप ने निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम को सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने मंच, प्रवेश मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, पेयजल व्यवस्था और स्टॉलों की सुव्यवस्थित स्थापना पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि सभी व्यवस्थाओं में समयबद्धता, स्वच्छता और आगंतुकों की सुविधा को सर्वोपरि रखा जाए।

इस अवसर पर महापौर श्री रामू रोहरा, पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू, पुलिस अधीक्षक, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वरोजगार से जोड़ने मंत्री नेताम ने किया प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने आज बलरामपुर में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र (आरसेटी), संगवारी जेंडर संसाधन केंद्र (जीआरसी) तथा समुदाय प्रबंधित ट्रेनिंग सेंटर (सीएमसीटी) का उद्घाटन किया। मंत्री नेताम ने केंद्र के प्रशिक्षण कक्षों, शयनकक्ष, भोजनकक्ष, रसोईकक्ष का बारीकी से अवलोकन किया और संचालित गतिविधियों की जानकारी ली।

मंत्री श्री नेताम ने उद्घाटन कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि सेंट्रल बैंक द्वारा संचालित आरसेटी एक ऐसा प्रशिक्षण केंद्र है जहाँ गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले सभी बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक एवं कौशल विकास से जुड़े प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के पश्चात बैंक से लिंकेज कराते हुए प्रशिक्षार्थियों को स्वरोजगार और आजीविका से जोड़ा जाएगा।

मंत्री ने कहा कि यह शुभारंभ विशेष अवसर पर किया जा रहा है, क्योंकि आज धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रों में उपलब्ध प्रशिक्षण पूर्णतः आवासीय सुविधा के साथ प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि प्रशिक्षार्थियों को सीखने में कोई बाधा न आए। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से कहा कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त करें और सीखे हुए कौशल का उपयोग करते हुए अपने रोजगार को व्यावसायिक रूप से विस्तार दें। उन्होंने जीआरसी केंद्र की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि इसके माध्यम से जेंडर असमानता, कुपोषण, लैंगिक हिसा, घरेलू हिंसा जैसे मुद्दे तथा विभिन्न समस्याओं के समाधान महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग के साथ समन्वय कर किए जाएंगे। समुदाय प्रबंधित प्रशिक्षण केंद्र (सीएमटीसी) के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के विभिन्न प्रशिक्षण एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। मंत्री नेताम ने सभी से आग्रह किया कि वे स्वयं प्रशिक्षण से जुड़ें और अधिक से अधिक लोगों को भी इससे जोड़ें।

कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री नेताम ने 10 चयनित व्यक्तियों को राजमिस्त्री प्रशिक्षण, बीमा सखी प्रशिक्षण सहित अन्य कौशलों के प्रमाण पत्र वितरित किया।

इस दौरान रेड क्रॉस सोसायटी अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल, पिछड़ा जाति आयोग सदस्य कृष्णा गुप्ता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष धीरज सिंहदेव, कृषि समिति अध्यक्ष बद्री यादव, नगरपालिका अध्यक्ष लोधी राम एक्का, कलेक्टर राजेंद्र कटारा, जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर, जिला पंचायत सदस्य अनीता मरकाम, नरपालिका उपाध्यक्ष दिलीप सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

92 महिला समूहों को 2.53 करोड़ के बैंक लोन स्वीकृत

जशपुरनगर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन शिबहानश् के अंतर्गत विकासखंड कुनकुरी में विगत दिवस मुद्रा एवं बैंक क्रेडिट मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंक द्वारा 92 स्व सहायता समूहों का 02 करोड़ 53 लाख रुपए एवं 75 हितग्राहियों को व्यक्तिगत रूप से 75 लाख रुपए का मुद्रा लोन की स्वीकृति प्रदान की गई । कार्यक्रम कीएलडीएम वाल्टर भेंगरा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक वित्तीय समावेशन अमीन खान जी, जिला प्रमुख साधन अखिल प्रसन्ना सेठ, एफएलसी विनसेंट तिर्की, जनपद पंचायत विकासखंड परियोजना प्रबंधक बिहान विनोद राठिया, क्षेत्रीय समन्वयक कु.जबीं कौशर, मनोज सोनी, सभी बैंकों से ब्रांच मैनेजर, पीआरपी, एफएल सीआपी सहित बिहान की 290 महिलाएं उपस्थित रही । कार्यक्रम में आए अतिथियों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

धान से मिले पैसों से खुद के लिए वाहन खरीदेंगे किसान गंगाराम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 हेतु धान खरीदी का शुभारंभ अवसर पर जशपुर जिले के गम्हरिया चौक स्थित धान खरीदी केंद्र में ग्राम झीलिंग के किसान गंगा यादव ने सर्वप्रथम अपना धान विक्रय किया। उन्होंने कहा कि धान से मिले पैसों से खुद के लिए वाहन खरीदूंगा।

किसान गंगा यादव ने बताया कि उन्होंने पिछले वर्ष लगभग 150 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा था, जिससे प्राप्त लाभ से उन्होंने एक दुकान की शुरुआत कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना। उन्होंने कहा कि इस वर्ष वे वाहन क्रय करने की योजना बना रहे हैं। श्री यादव ने शासन द्वारा खरीदी केंद्रों में की गई सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र में सभी व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हैं, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में माइक्रो-एटीएम सुविधा, टोकन 'तुंहर द्वार' व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि किसानों को धान विक्रय प्रक्रिया में आसानी और पारदर्शिता मिल सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रदेशभर में 15 नवम्बर से धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया है। जशपुर जिले मे किसी भी समिति में किसानों को तकलीफ नहीं है द्य आसानी से टोकन मिल रहा है और किसान निर्धारित दिवस धान समिति में लेकर आ रहे हैं।

सफलता की नई पहचानः पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय अभनपुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले में अभनपुर के पी.एम. श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय छत्तीसगढ़ शासन की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का उज्ज्वल उदाहरण बनकर उभर रहा है। विद्यालय द्वारा शैक्षणिक, सह-पाठ्यक्रम तथा अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए नई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। शासन द्वारा संचालित सरस्वती सायकल योजना, मध्यान्ह भोजन, महतारी दुलार योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को मिल रहा है, जिससे उनके शैक्षणिक भविष्य को मजबूती मिली है।

विद्यालय में लगभग 5000 पुस्तकों से युक्त समृद्ध पुस्तकालय, पूर्ण सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशाला तथा 25 कंप्यूटरों से सुसज्जित आधुनिक कंप्यूटर लैब उपलब्ध है। ये सुविधाएँ विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के साथ सीखने और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करती हैं। विद्यालय परिसर में स्वच्छता एवं हरियाली पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिसके अंतर्गत कई पौधों का रोपण कर उनकी नियमित देखभाल की जाती है। विद्यालय में विषय विशेषज्ञ एवं प्रशिक्षित शिक्षक कार्यरत हैं, जो नियमित रूप से विभिन्न प्रशिक्षण, वेबिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से अपनी शिक्षण पद्धतियों को और अधिक उन्नत करते रहते हैं। शिक्षकों की मेहनत, ईमानदारी और समर्पण से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो रहा है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने राज्य, जिला एवं संभाग स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यालय ने संभाग स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्केटिंग प्रतियोगिता 2025 में छात्र गगन देवांगन ने राज्य स्तरीय सफलता अर्जित कर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होकर विद्यालय को नई पहचान दिलाई। वहीं, NMMSE 2025 परीक्षा में रोशन वर्मा और हर्षा साहू ने प्रवीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया। हाई स्कूल परीक्षा 2025 में छात्रा सुनीधि नेताम ने 93.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अनुसूचित जनजाति वर्ग मेरिट सूची में स्थान बनाकर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

अधोसंरचना विकास में लगातार प्रगति

विद्यालय में विधायक मद से सांस्कृतिक मंच, चबूतरा निर्माण, वाटर कूलर स्थापना, पेयजल पाइप लाईन विस्तार, मध्यान्ह भोजन कक्ष का जीर्णोद्धार तथा नए पुस्तकालय कक्ष का निर्माण निरंतर प्रगति पर है। बाउंड्रीवाल विस्तार का कार्य भी प्रस्तावित है।

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से मिलता है समग्र अनुभव

विद्यालय में योग, संगीत, मॉडल निर्माण, पैरेंट्स-टीचर मीटिंग, परामर्श सत्र और परियोजना आधारित शिक्षण जैसी गतिविधियाँ नियमित रूप से संचालित की जाती हैं। विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धन के लिए शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया। ग्रीष्मकाल में आयोजित समर कैंप में गीत, संगीत, पेंटिंग, ड्राइंग तथा पाक कला जैसे कई रचनात्मक क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया गया।

नीट यूजी काउंसलिंग में नए नियमों का हो रहा है परिपालन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मॉप राउंड के पश्चात एन आर आई कोटा की केवल 107 सीटें भरी गई । एन आर आई कोटे की रिक्त 26 सीटों का परिवर्तन स्ट्रे राउंड के सीट मैट्रिक्स बनाने के समय ही प्रवेश नियमों के अनुसार (प्रवेश की अंतिम तिथि से दस दिन पूर्व) ओपन सीटों (मैनेजमेंट) में किया गया अतः इन सीटों पर मैनेजमेंट कोटा के छात्रों को स्ट्रे राउंड में आवंटन दिया गया। जिससे मैनेजमेंट कोटा के छात्रों को 26 सीटों का लाभ हुआ।

हाल ही में राज्य के नियमों एवं द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार स्ट्रे राउंड का आवंटन दिनांक 14 नवम्बर को जारी किया गया। दिनांक 15 नवम्बर को जैसे ही स्थ्ष्ट ने ऑल इंडिया से आवंटित छात्रों को स्टेट की लिस्ट में से हटाने का नोटिस जारी किया,तुरंत ही इसके परिपालन में आवंटन निरस्त करते हुए नई सूची शीघ्र जारी करने की सूचना प्रकाशित की गई एवं कुछ ही घंटों के पश्चात रात दस बजे नई मेरिट सूची एवं आवंटन सूची जारी की गई जिससे कि ऑल इंडिया एवं एवं राज्य के आवंटन में ओवरलैप न हो एवं राज्य की सीटों का नुकसान न हो। इस प्रक्रिया से अधिक छात्रों को आवंटन दिया जा सका एवम् पूर्व निर्धारित समय सारणी के अनुसार प्रवेश की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई।

छत्तीसगढ़ राज्य के चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा नए प्रवेश नियम 2025 के सभी नियमों एवं स्थ्ष्ट द्वारा दिए गए निर्देशों एवं समय सारणी का पूर्णतः पालन करते हुए पारदर्शिता के साथ काउंसलिंग संपन्न की जा रही है, जिससे अधिक से अधिक छात्रों को नए नियमों का लाभ हो रहा है ।

खास खबर

तेज रफ्तार हाईवा ने युवक को कुचला, मौत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले तेज रफ्तार हाईवा ने स्कूटी सवार युवक को टक्कर मार दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर हाईवा छोड़कर भाग निकला। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार, देवरीडीह निवासी राधेश्याम सिदार (40) रविवार को किसी काम से निकला था। वो अपनी स्कूटी पर सवार था। शाम करीब 6.45 बजे वो काम निपटाने के बाद वापस घर लौट रहा था। तोरवा के पावर हाउस चौक के पास लालखदान की ओर से आ रहे हाईवा (सीजी10 बीपी9348) के ड्राइवर ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे युवक गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इस बीच मौका पाकर आरोपी चालक हाईवा छोड़कर भाग निकला। लोगों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद ट्रैफिक व्यवस्था बनाने के बाद युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा। घटना की जानकारी मिलते ही उसके परिजन भी पहुंच गए। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में प्रोटोकॉल ड्यूटी पर जा रहे पटवारी की मौत

कवर्धा। जिले में सड़क हादसे में एक पटवारी की मौत हो गई। 16 नवंबर की रात पटवारी उत्तम सिंह राज डिप्टी सीएम विजय शर्मा के प्रोटोकॉल ड्यूटी पर तैनाती के लिए जा रहे थे। अंधेरे में बैरक से चिल्फी लौटते समय मोड़ पर उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे नाले में जा गिरी। मामला चिल्पीघाटी थाना क्षेत्र का है। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही उनकी जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। लोगों को घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्तम सिंह राज के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। बताया जा रहा है कि उत्तम सिंह राज अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित और शांत स्वभाव के अधिकारी थे। डिप्टी सीएम के प्रोटोकॉल ड्यूटी पर उनकी नियुक्ति उसी रात के लिए की गई थी। राजस्व विभाग सहित पूरे इलाके में इस आकस्मिक निधन से शोक व्याप्त है। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

भाटापारा रेकी चौक में पैरावट में लगी भीषण आग

कोरबा। जिले के भाटापारा रेकी चौक पर 16 नवंबर की शाम करण अहीर के घर में रखे पैरावट में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही हरदी बाजार पुलिस को सूचित किया गया। पुलिसकर्मियों ने आग बुझाने के लिए एसईसीएल दीपका और गेवरा दमकल विभाग को सूचना दी। पीड़ितों को उम्मीद थी कि लगभग 5 किलोमीटर के दायरे में स्थित दमकल विभाग तुरंत पहुंच जाएगा। एक घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सरकारी दमकल विभाग मौके पर नहीं पहुंचा। आखिरकार, बांधाखार जीटीपी मारुति कंपनी का दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और धू-धू कर जल रहे पैरावट पर काबू पाया। बताया जा रहा है घटना में 30 हजार के करीब नुकसान हुआ है। पीड़ित ने बताया कि यह पैरावट मवेशियों के लिए रखा गया था। अज्ञात कारणो से इसमे आग लग गयी और मवेशियो का भोजन राख हो गया, जिससे करीब तीस हजार रुपए का नुकसान हुआ है।

बैगा-गुनिया की झाड़-फूंक से 3 बच्चों की मौत

गरियाबंद की घटना, एक ही परिवार के तीनों बच्चे, मामूली बुखार पर ले गए थे बैगा के पास

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में तीन दिनों में तीन सगे भाई-बहन की मौत हो गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि बच्चों की मौत का मुख्य कारण अंधविश्वास, झोलाछाप डॉक्टर का गलत इलाज और परिजनों द्वारा समय पर अस्पताल न ले जाना था। घटना मैनपुर ब्लॉक के धनोरा गांव की है।

मिली जानकारी के अनुसार, पिता का नाम डमरुधर नागेश है। जो कि पेशे से मजदूर है। वह परिवार के साथ हाल ही में अपने ससुराल मक्का तोड़ने साहिबिन कछार गया था। जहां तीनों बच्चों को बुखार आने लगा। जहां उन्होंने झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कराया लेकिन बुखार उतर नहीं पाया। इसके बाद वो गांव लौट आए और बच्चों को अस्पताल न ले जाकर बैगा-गुनिया के पास झाड़-फूंक कराने लगे। इस बीच तीन दिनों में तीनों भाई-बहन की मौत हो गई। इस मामले में सीएमएचओ एसके नवरत्न ने जांच की बात कही है।

जानिए क्या है पूरा मामला

दरअसल, डमरुधर नागेश के 2 बेटे और 1 बेटी थी। वो परिवार के साथ ससुराल काम करने गया था। जहां बच्चों को तेज बुखार आने लगा, लेकिन उन्होंने झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कराया। इसके बाद भी उन्हें राहत नहीं मिली। ऐसे में वह अपने गांव लौट आए। लेकिन वो बच्चों को अस्पताल न ले जाकर बैगा-गुनिया के पास झाड़-फूंक कराने ले गए। 11 नवंबर को 8 साल की बेटी अनिता नागेश की हालत बिगड़ी।

जब उसे अमलीपदर अस्पताल ले जाया

गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। 13 नवंबर को 7 साल के बेटे ऐकराम नागेश को देवभोग ले जाया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। उसी शाम 4 साल के बेटे गोरश्वर नागेश की भी जंगल के बैगा के यहां झाड़-फूंक के दौरान मौत हो गई।

मितानिन ने बताई पूरी घटना

ग्राम धनोरा की मितानिन कुमारी कामता नागेश ने बताया कि पहले बच्चे की मौत 13 नवंबर को हुई। इसके बाद एक ही दिन दो बच्चों ने दम तोड़ दिया। तीनों एक ही परिवार के बच्चे थे। वहीं, अमलीपदर शासकीय अस्पताल के डॉ. रमाकांत ने बताया कि 13 नवंबर को जिस बच्चे की मौत हुई, उसे बुखार, सर्दी-खांसी था। सीएमओ ने बच्चों के परिजनों को अस्पताल में आकर जांच कराने के लिए कहा था। लेकिन वो नहीं माने। ग्रामीणों के अनुसार, अस्पताल की दूरी, एम्बुलेंस की देरी और डॉक्टरों की अनुपलब्धता भी बड़ी समस्या बनी। इस पूरे मामले में गरियाबंद सीएमएचओ एसके नवरत्न ने कहा कि यह घटना गंभीर है और इसकी जांच के आदेश दिए जा रहे हैं।

शराब पार्टी में गाली-गलौज : 6 दोस्तों ने मिलकर कर दी अपने ही दोस्त की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में 6 दोस्तों ने युवक को डंडे से जमकर पीटा, फिर गला घोंटकर मार डाला। बताया जा रहा है कि गाली-गलौज करने के बाद विवाद बढ़ा। हत्या कर लाश फेंक कर आरोपी भाग गए थे। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है। मृतक का नाम रोहित महंत है, जो चांपा का रहने वाला था। सभी दोस्तों ने शराब पीने के दौरान गाली-गलौज करने पर मर्डर की साजिश रची थी, फिर युवक की हत्या की। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को अरेस्ट किया है। मिली जानकारी के अनुसार 15 नवंबर की रात करीबन 8 बजे सागर अपने साथियों के साथ शराब पीने की बात कह रहा था। घोघरा नाला के पास आपस में लड़ाई झगड़ा कर रहे थे। इस दौरान रोहित महंत ने सागर कर्ष को गालियां दी। इससे गुस्साए सागर कर्ष ने रोहित को 3-4 थप्पड़ मार दिए। मार खाने के बाद सागर मौके से चला गया। वहीं विवाद के बाद सागर कर्ष अपने दोस्त नागेश्वर नायडू, अश्वनी कुमार सतनामी, विजय श्रीवास, विनय कुर्रे, आकाश उर्फ अज्जू साहू के

साथ बैठा था। घोघरा नाला नदी किनारे मुक्तिधाम के पास रात 9:30 बजे रोहित महंत दोबारा पहुंचा। इस दौरान सागर कर्ष और उसके दोस्तों को गाली-गलौज करने लगा। इस दौरान गाली-गलौज से फिर सागर और उसके दोस्त भड़क गए। सभी दोस्त एक राय होकर रोहित महंत को मारने की साजिश रची। रोहित महंत को सभी ने मिलकर जमकर पीटा। इस दौरान रोहित के हाथ पैर को पकड़कर रखा। वहीं सागर कर्ष ने डंडे से रोहित महंत के सिर पर जोरदार हमला किया। इससे रोहित बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद सागर कर्ष ने साथियों के साथ मिलकर गला घोंटकर हत्या कर दी। निकले।

पुलिस ने छापेमारी कर आरोपियों को लिया हिरासत में

वहीं मर्डर की खबर मिलते ही चांपा पुलिस मौके पर पहुंची। रोहित की लाश कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। विवाद के बाद हत्या की बात सामने आई। पुलिस ने एफआई दर्ज कर आरोपियों के ठिकाने पर छापेमारी की। जांजगीर चांपा एसपी विजय कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपियों ने पहले गुमराह किया, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर हत्या करने की बात स्वीकार की। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

रायपुर में शराब के नशे में युवक ने किसान को पीटा

रायपुर। जिले के ग्राम नगरगांव में एक किसान के साथ मारपीट की घटना हुई। इस मारपीट में किसान का हाथ घायल हो गया और खून बहने लगा। यह पूरा मामला धरसींवा थाना क्षेत्र का है जानकारी के अनुसार, गांव के ओमप्रकाश वर्मा खेती किसानी का काम करते हैं। वो अपने साथी बसंत दुबे और मुकेश पांडेय के साथ महामाया चौक के पास शनिवार दोपहर करीब 3 बजे बैठे थे। उसी दौरान गांव का ही कपिल निषाद शराब के नशे में वहां पहुंचा और ओमप्रकाश से गाली-गलौज करते हुए बोला कि तुमने मुझे झूठे केस में जेल भिजवाया था, आज तुम्हें जान से मार दूंगा। हाथ-मुक्के से मारपीट की और दाहिने हाथ में दांत से काट लिया, जिससे उनके हाथ से खून निकलने लगा। मौके पर मौजूद बसंत दुबे और मुकेश पांडेय ने बीच-बचाव कर हालात को काबू में किया। पीड़ित ओमप्रकाश वर्मा ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

तेज रफ्तार बाइक बिजली के खंभे से टकराई

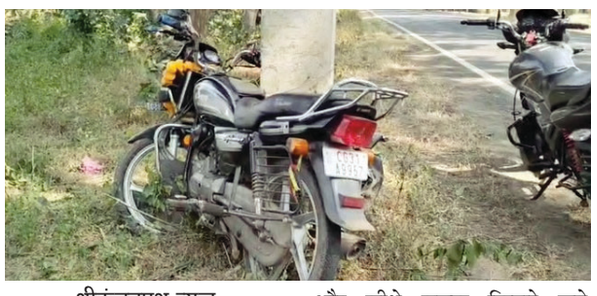

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिले के पेंड्रा क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज फिर कुदरी गांव के मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा है।

जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में घायल युवकों की पहचान पेंड्रा के बचरवार गांव निवासी रोहित यादव और मोहित श्रीवास के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक तेज रफ्तार के कारण अचानक नियंत्रण खो बैठी और सीधे सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा भिड़ी, जिससे दोनों युवक सड़क किनारे जा गिरे। जिसके बाद तत्काल आसपास के स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची 108 सेवा ने दोनों युवकों को प्राथमिक उपचार देते हुए जिला अस्पताल पेंड्रा पहुंचाया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज कर लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों की वजह से लगातार दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं और यातायात नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

हाथियों के झुंड ने किसानों की फसलों को किया बर्बाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। वन मंडल कोरबा में घूम रहे 51 हाथी अब 4 झुंड बंट गए हैं। हाथियों ने बांधापाली के किसान की झोपड़ी को उजाड़ दिया। शाम होते ही हाथी चिंघाड़ने लगते हैं। इससे ग्रामीण दहशत में हैं। हाथियों ने 20 एकड़ से अधिक धान की फसल को चौपट कर दिया। करतला रेंज के बेहरचुंआ में घूम रहे 9 हाथी और केराकछार में घूम रहे 19 हाथी एक हो गए हैं। इसके बाद धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। किसान ने बताया कि हाथी 2 किलोमीटर दूर जंगल में हैं। भोजन की तलाश में निकलने के पहले चिघाड़ते हैं। इसकी वजह से शाम 4 बजने के बाद सभी किसान खेत से घर वापस आ जाते हैं। इसी तरह कोटमेर में घूम रहे 10 हाथियों ने तुरींकटरा, सुईआरा में धान की फसल को नुकसान पहुंचाया है। कोरबा रेंज के दरगा में

घूम रहे 10 हाथी चचिया के दो हाथियों के साथ मिल गए हैं। किसान अब अधपकी फसल को भी काटने में लगे हैं। हाथियों का झुंड पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में विचरण कर रहा है जिसके चलते लोगों को डर तो बना ही हुआ है फसलों को भी बर्बाद कर रहे है। वन विभाग टीम को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। हाथियों के झुंड को जंगल क्यों खदेड़ा वही अलग-अलग हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है ।

आईईडी ब्लास्ट में एडिशनल एसपी हुए थे शहीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। सुकमा जिले के भेज्जी-चिंतागुफा के बीच स्थित तुमालपाड़ जंगल में रविवार सुबह सुरक्षाबलों ने एक बड़ी सफलता दर्ज की है। मुठभेड़ में तीन माओवादी मारे गए हैं, जिनमें वह कुख्यात जनमिलिशिया कमांडर माड़वी देवा भी शामिल है, जिसे कोंटा के पास हुए आईईडी ब्लास्ट में एडिशनल एसपी आकाश राव की शहादत का मास्टरमाइंड माना जाता था। देवा पर कई निर्दोष ग्रामीणों की हत्या और बड़े हमलों की साजिशों का भी रिकॉर्ड था। पुलिस ने उस पर पाँच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

डीआरजी को इलाके में माओवादियों के सक्रिय होने की पुख्ता सूचना मिली, जिसके बाद तड़के सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। घने जंगल और कठिन पहाड़ी इलाके में चली रुक-रुककर फायरिंग में दो महिला माओवादी-पोड़ियम गंगी, सीएनएम कमांडर, और सोड़ी गंगी, किस्टाराम एरिया कमेटी सदस्य भी ढेर हुई। दोनों पर पाँच-पाँच लाख रुपये का इनाम था और दोनों कई नक्सली वारदातों में शामिल रही हैं। मुठभेड़ स्थल से सुरक्षा बलों ने .303 रायफल, बीजीएल लॉन्चर और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण के अनुसार, मारे गए उग्रवादी एक बड़े हमले की तैयारी में थे, लेकिन समय रहते कार्रवाई कर इसे विफल कर दिया गया। उन्होंने बताया कि माड़वी देवा की मौत से कोंटा-किष्टाराम बेल्ट में माओवादियों की मिलिट्री गतिविधियों को बड़ा झटका लगा है। बस्तर रेंज के आईजी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने कहा कि वर्ष 2025 में अब तक 233 माओवादी ढेर किए जा चुके हैं । उन्होंने साफ कहा कि अब हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटना ही माओवादी कैडरों का एकमात्र विकल्प है। घटना के बाद डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और सीआरपीएफ की टीमें पूरे इलाके में सर्चिंग कर रही हैं।

दुष्कर्म की शिकायत पर एफआईआर में देरी, टीआई सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एसएसपी शशि मोहन सिंह ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में शिकायत दर्ज करने में देरी करने पर थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है।

एसएसपी सिंह ने इस मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए कोतवाली टीआई आशीष कुमार तिवारी को सस्पेंड कर लाईन अटैच कर दिया। टीआई के खिलाफ प्राथमिक जांच के लिए एसडीओपी जशपुर को आदेशित किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने कोतवाली क्षेत्रांतर्गत एक नाबालिक छात्रा से छेड़ छाड़ व दुष्कर्म के मामले में सख्त एक्शन लेते हुए, प्रार्थियों की सूचना के बाउजूद, एफआईआर दर्ज करने में देरी करने व लापरवाही का परिचय देने वाले

सिटी कोतवाली जशपुर के प्रभारी निरीक्षक आशीष कुमार तिवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

निलंबन अवधि के दौरान निरीक्षक आशीष कुमार तिवारी को रक्षित केंद्र जशपुर में सम्बन्ध किया गया है, इस दौरान इसे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा टीआई आशीष कुमार तिवारी के विरुद्ध प्राथमिक जांच भी संस्थित किया गया है, प्राथमिक जांच हेतु, एसडीओपी जशपुर चंद्र शेखर परमा को आदेशित किया गया है। जो कि 07 दिवस के भीतर प्राथमिक जांच पूर्ण कर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर को प्रेषित करेंगे।

मामले में एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टिया, सिटी कोतवाली जशपुर क्षेत्रांतर्गत एक नाबालिक बालिका से दुष्कर्म जैसे संवेदनशील मामले में टीआई सिटी कोतवाली जशपुर के द्वारा देरी से एफआईआर दर्ज करने पर, उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है, और उनके विरुद्ध प्राथमिक जांच हेतु एसडीओपी जशपुर को आदेशित किया गया है,मामले में पुलिस फरार आरोपी की पता साजी कर रही है, जिसे शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जेल में बंद पति के दोस्तों ने की महिला के साथ गैंगरेप, 3 अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर थाना क्षेत्र में महिला से गैंगरेप किया गया है। पति के 2 दोस्तों ने वारदात को अंजाम दिया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एक महिला और दो युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला ने पीड़िता और युवकों के बीच जान पहचान करवाई थी। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित महिला का पति धारा 307 के मामले में जेल में बंद है। जेल जाने से पहले उसने पत्नी से कहा था कि बाहर उसके दोस्तों से संपर्क में रहना। इस बीच पति के एक दोस्त ने महिला की भाभी के जरिए उससे मिलने की कोशिश की। उसने ही युवक का नंबर दिया था। जान पहचान होने के युवक मिलने के लिए महिला के घर

पहुंचा। जहां पहले से दूसरा दोस्त मौजूद था। दोनों ने मिलकर बारी-बारी से रेप किया। इसके बाद पीड़िता थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी रामाराव,नकुल और महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में यह साफ हुआ है संपर्क करवाने वाली महिला इसमें दोषी है। इस मामले में पुलिस ने 70(1), 115(2)-बीएनएस, 127(2)-बीएनएस, 332(बी)-बीएनएस के तहत केस दर्ज आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

चोरी की तीन बाइक के साथ नाबालिग गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। एसपी धमतरी के निर्देश पर थाना नगरी पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक विधि से संघर्षरत बालक को हिरासत में लिया गया है। आरोपी से कुल 6,300/- रुपये नगद व 03 चोरी की गई मोटर सायकिलें बरामद की गई हैं। यह कार्यवाही पुलिस की तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर सूचना एवं सतत् निगरानी का परिणाम है।

प्रकरण का विस्तृत विवरण- पहला मामला - 40,000/- रुपये की नकदी चोरी थाना नगरी में अपराध क्रमांक 15/25, धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्राथिज्या हंसीना बिझेंकर द्वारा रिपोटजू दजजू कराई गई थी। दिनांक 13-03-2025 की रात्रि में गांधी उद्यान के सामने यात्री प्रतिक्षालय में होली पर्व पर नगाड़ा

बेचने आए दंपति के बैग से 40,000/- रुपये चोरी हो गए थे। दूसरा मामला - स्प्लेंडर मोटरसायकिल चोरी प्राथी जयकिशन दिवान निवासी धमतरी की मोटरसायकिल स्प्लेंडर, कीमत 30,000/- रुपये, दिनांक 10-10-2025 को कृषि उपज मंडी परिसर से चोरी हो गई थी। रिर्पोट पर थाना नगरी में अप.क्र. 43/25, धारा 303(2) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया था।

तीसरा मामला- पल्सर मोटरसायकिल चोरी प्राथी नंदकुमार नेताम निवासी छिपली द्वारा अपनी पल्सर मोटरसायकिल कीमत 30,000/- रुपये को जेएमएफसी देवपुर गेट के बाहर खड़ा किया गया था। आरोपी विधि से संघर्षरत बालक का सामाजिक पृष्ठभूमि रिपोट तैयार कर उसे किशोर न्याय धमतरी के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। थाना नगरी पुलिस द्वारा आरोपी से अन्य संभावित मामलों की भी जांच की जा रही है। धमतरी पुलिस आम जनता से अपील करती है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाना/डायल 112 को दें।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अटल परिसरों और जलप्रदाय योजनाओं का किया लोकार्पण

- मूलभूत विकास कार्यों हेतु दल्लीराजहरा और डौण्डीलोहारा नगरीय निकायों के लिए 3-3 करोड़, डौंडी तथा चिखलकसा नगर पंचायतों के लिए 2-2 करोड़ की घोषणा
- बालोद नगर पालिका के विकास के लिए चार करोड़ देने की घोषणा की

छत्तीसगढ़ के निर्माण एवं विकास में अटलजी का महत्वपूर्ण योगदान : साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बालोद और डौंडीलोहारा में अटल परिसरों का लोकार्पण किया। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत गुरूर, गुंडरदेही और डौंडीलोहारा विकासखंड के गांवों में नल जल योजनाओं का भी लोकार्पण किया। श्री साव ने बालोद में नालंदा परिसर और डौंडीलोहारा में अमृत मिशन के अंतर्गत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भूमिपूजन भी किया। उन्होंने बालोद शहर के विकास के लिए चार करोड़ रुपए देने की घोषणा की।

उन्होंने बालोद जिला मुख्यालय में तान्दुला नदी पुल से उप जेल तक डिवाइडर निर्माण तथा बालोद से लोहारा मार्ग एवं जगन्नाथपुर से परसोदा मार्ग निर्माण की भी घोषणा की। विधायक संगीता सिन्हा और अनिला भेड़िया भी कार्यक्रम में शामिल हुई।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बालोद में अटल परिसर तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत गुरूर विकासखण्ड के ग्राम सोनईडोंगरी एवं मुड़खुसरा तथा गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम भोथीपार एवं खल्लारी में एकल ग्राम नल जल योजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने

डौण्डीलोहारा नगर पंचायत में अटल परिसर तथा ग्राम डूमरघुचा, बड़े जुंगेरा एवं मड़िया कट्टा में नल जल योजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने अमृत मिशन 2.0 जल प्रदाय योजना और आदर्श आंगनबाड़ी भवन के निर्माण के लिए भूमिपूजन भी किया। श्री साव ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के हितग्राहियों को पूर्णता प्रमाण पत्र एवं आवास की चाबी सौंप कर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बालोद के प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया। श्री साव ने डौण्डीलोहारा नगर पंचायत में मूलभूत विकास कार्यों के लिए तीन करोड़ रुपए व मुक्तिधाम निर्माण के लिए 30 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने डौंडी नगर पंचायत में भी मूलभूत विकास कार्यों के लिए दो करोड़ रुपए एवं मुक्तिधाम निर्माण के लिए 20 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। श्री साव ने चिखलाकसा नगर पंचायत में

मूलभूत विकास कार्यों के लिए दो करोड़ रुपए, दल्लीराजहरा नगर पालिका में मूलभूत विकास कार्यों के लिए तीन करोड़ रुपए तथा मुक्तिधाम निर्माण के लिए 50 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की।

उन्होंने दल्लीराजहरा नगर पालिका तथा दोनों नगर पंचायतों के अध्यक्षों को इन कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों की मांग पर डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम संबलपुर में विश्राम गृह निर्माण के लिए उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। उप मुख्यमंत्री साव ने बालोद और डौंडीलोहारा में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के निर्माण और यहां विकास की गंगा बहाकर राज्य के नवनिर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने प्रदेशवासियों को नए छत्तीसगढ़ राज्य की सौगात देने के साथ ही राजधानी रायपुर में एम्स, न्यायधानी बिलासपुर में उच्च न्यायालय एवं रेलवे जोन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना एवं भारतमाला परियोजना के माध्यम से राज्य के गांवों एवं शहरों में सड़कों का जाल बिछाने का अभिनव कार्य किया है।

श्री साव ने कहा कि बालोद जिले के प्रति शुरू से उनका आत्मीय स्नेह एवं लगाव रहा है। हमारी सरकार बालोद शहर एवं पूरे जिले के विकास के लिए कोई कसर नही छोड़ेगी। बालोद को जिला मुख्यालय की गरिमा के अनुरूप सजाया-संवारा जाएगा। राज्य लघु वनोपज संघ के उपाध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा, बालोद जिला पंचायत की अध्यक्ष तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, उपाध्यक्ष तोमन साहू, बालोद नगर पालिका की अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, डौण्डीलोहारा नगर पंचायत के अध्यक्ष लाल निवेन्द्र सिंह टेकाम, उपाध्यक्ष नेहा उपाध्याय, पूर्व विधायक वीरेंद्र साहू और प्रीतम साहू, राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य यशवंत जैन, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष देवलाल ठाकुर, पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी सहित पार्षदगण तथा जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

रेंगाखार जलाशय में निर्माण से वनांचल क्षेत्र के हजारों किसानों को मिलेगी सिंचाई सुविधाः उपमुख्यमंत्री शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल बैगा बाहुल्य ग्राम रेंगाखार में विकास के नए अध्याय जुड़ने जा रहा है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रेंगाखार में 2.24 करोड़ रूपये की लागत से तैयार होने वाली रेंगाखार जलाशय शीर्ष एवं सीसी नहर लाइनिंग कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया।

इस दौरान उन्होंने जलाशय और निर्माण स्थल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने सभी कार्यों की विस्तार से जानकारी ली और अधिकारियों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि रेंगाखार जलाशय के निर्माण से क्षेत्र के हजारों किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। यह परियोजना न केवल सिंचाई सुविधा का विस्तार करेगी,

बल्कि कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा भी प्रदान करेगी। इस जलाशय से 264 हेक्टेयर कृषि भूमि को स्थायी सिंचाई की सुविधा मिलने से फसल उत्पादन में वृद्धि होगी, किसानों की आय बढ़ेगी और क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार का उद्देश्य केवल संरचनाओं का निर्माण करना नहीं है, बल्कि ऐसे स्थायी और प्रभावी कार्य करना है जो सीधे-सीधे किसान, आदिवासी और वनांचल के लोगों के जीवन को बेहतर बना सकें। रेंगाखार को पर्यटन क्षेत्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि वनांचल क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए, यहाँ के हर किसान को सिंचाई सुविधा मिले, हर गांव में समृद्धि आए और युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हों। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने किसानों से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि शासन-प्रशासन किसानों के साथ खड़ा है और विकास की हर प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

किसानों ने इस परियोजना को अपने जीवन का बदलाव बताते हुए कहा कि वर्षों पहले से प्रस्तावित यह कार्य आज साकार रूप ले रहा है, जिसके लिए वे उपमुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञ हैं। किसानों ने कहा कि बारिश पर निर्भर खेती ने उन्हें हमेशा अनिश्चितता में रखा, लेकिन इस जलाशय के बन जाने के बाद अब उनके खेत वर्षभर हरे-भरे रहेंगे और फसलें सुरक्षित होंगी।

उपमुख्यमंत्री ने जनचौपाल में ग्रामीणों के संग बैठ की ग्राम के विकास पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र का गहन दौरा किया। जहां उन्होंने गांव-गांव में जनचौपाल का आयोजन किया। जहां खास बात यह थी कि वे अपने सरल सहज तरीके में ग्रामीणों के साथ जमीन पर सबके बीच बैठे। जहां ग्रामीणों ने अपने प्रतिनिधि को अपने बीच पाकर अपने मन की सभी बातें उपमुख्यमंत्री के सामने रख दीं।

उपमुख्यमंत्री ने सभी से ग्राम का विकास करने के लिए आवश्यक कार्यों पर चर्चा की और सभी आवश्यक सुविधाओं के लिए कार्य करने का भरोसा दिलाया। सब उन्हें घेर कर ऐसे बैठे जैसे घर के बड़े को सब घेर कर बैठ जाते हैं, उपमुख्यमंत्री शर्मा भी सभी से इतनी आत्मीयता से मिले की सभी मंत्रमुग्ध हो गए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम

बालवाड़ी राजाढार, तरैयाबहरा, बोथी, झलमला एवं शीतलपानी में जनचौपाल का आयोजन किया। जहां स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों को भी उनके समक्ष रखा और उन्होंने सभी का त्वरित निराकरण किया। उन्होंने चिल्फी सर्किट हाउस में भी जनचौपाल लगाई जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुँचे, जहां उन्होंने प्रत्येक नागरिक की समस्या सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने अपने इस दौरे में ग्रामीणों को चुनाव आयोग द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी और सम्पूर्ण प्रक्रिया को समझाया और सभी को गलत तथ्यों एवं अफ्वाहों से सावधान रहने को कहा। उन्होंने सभी को एसआईआर के प्रावधानों के बारे में भी विस्तार से समझाया।

धान खरीदी में किसानों की सुविधा हेतु 'कृषक सहायता केंद्र' स्थापित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरीफ वर्ष 2025-26 में धान उपार्जन कार्य को सुचारु और किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में सोनहत अनुविभाग के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों में 'कृषक सहायता केंद्र' स्थापित किए गए हैं।

एग्रीस्टैक, एकीकृत किसान पोर्टल, रकबा संशोधन तथा धान उपार्जन से जुड़ी अन्य तकनीकी व प्रपत्र संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इन सहायता केंद्रों की

स्थापना की गई है। कृषि समितियों के अंतर्गत आने वाले हलकों के पटवारियों की ड्यूटी भी इन केंद्रों में लगाई गई है, ताकि किसानों को त्वरित सहायता उपलब्ध हो सके।

इन कृषक सहायता केंद्रों से किसानों को पंजीयन, दस्तावेज़ सत्यापन, तकनीकी मार्गदर्शन और उपार्जन प्रक्रिया में आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान में बड़ी राहत मिलेगी। प्रशासन का कहना है कि इससे धान खरीदी प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी बनेगी।

जनसंपर्क विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर आज जनसंपर्क संचालनालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी में संपादकों, वरिष्ठ पत्रकारों और जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

वरिष्ठ संपादक जयप्रकाश मिश्रा ने कहा कि कुछ लोग अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए भ्रामक सूचनाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ एक ही तरह की भ्रामक सामग्री को भेजते हैं, जिससे उसका एल्गोरिदम बढ़ जाता है और पाठक भ्रमित होकर उसे सच मान बैठता है। उन्होंने दिल्ली मेट्रो का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीधरन जी जब भी मेट्रो में किसी तरह की रूकावट आती थी तब तुरंत ही सूचना प्रचार माध्यमों में समाचार जारी कर तकनीकी त्रुटि को ठीक

करने में लगने वाला संभावित समय भी बता देते थे। जब सही और गुणवत्तापूर्ण सूचनाएं आगे बढ़ती हैं तो भ्रामक सूचनाएं ठहर नहीं पाती। संपादक रवि भोई ने कहा कि खबरों की सच्चाई अहम है इससे समझौता नहीं करना चाहिए। भले ही समय लगता हो लेकिन पुष्टि के पश्चात ही खबरे प्रसारित करना चाहिए। संपादक श्री एएन द्विवेदी ने कहा कि सूचनाओं की गुणवत्ता और उनके प्रसारण से पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर बेहद गंभीरता बरतते हुए इन्हें जनसामान्य को प्रेषित किया जाना चाहिए। इसमें छोटी चूक भी बड़ी दुर्घटना का रूप ले लेती है। वरिष्ठ पत्रकार अशोक साहू ने कहा कि पत्रकारिता में विश्वसनीयता के मानदंडों पर यदि काम किया जाए तो किसी तरह की भ्रामक सूचना जाने की आशंका नहीं रहती।

अपर संचालक उमेश मिश्रा ने कहा कि मीडिया की विश्वसनीयता लोकतंत्र का आधार स्तंभ है, इसे किसी भी कीमत पर बनाए रखना जरूरी है। मीडिया को तकनीकी बदलाव के चलते तेजी से फैलती गलत सूचनाओं पर अपनी जिम्मेदारी के साथ-साथ सतर्कता बरतनी होगी।

अपर संचालक आलोक देव ने कहा कि मीडिया की सबसे बड़ी ताकत है उसकी विश्वसनीयता। मीडिया सिर्फ खबरे नहीं देता, प्रेस मार्गदर्शन करता है, संदेह दूर करता है और विश्वास का निर्माण करता है। उप संचालक सौरभ शर्मा ने कहा कि आज का दौर एआई का है ऐसे समय में गलत सूचनाओं का एल्गोरिथम बढ़ने से व्यापक रूप से हमारे बीच पहुंचता है। हमें ऐसी सूचनाओं को जांच-परख कर ही प्रसारित करना चाहिए। कार्यक्रम में अरविन्द मिश्रा सहित अनेक लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनसंपर्क विभाग के अधिकारी और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जनजातीय गौरव दिवस पर संस्कृति, परंपरा और अस्मिता का भव्य उत्सव

भगवान बिरसा मुंडा धरती आबा-स्वाभिमान, साहस और परंपरा के प्रतीक-मंत्री यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनजातीय गौरव दिवस 2025 का प्रभाव भी पूरे क्षेत्र में दिखाई दे रहा है, जहां जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराएँ, कला, संस्कृति और जीवन मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव ने पूरे माहौल को उत्सवी रंगों से भर दिया। रायगढ़ जिले में कल आयोजित जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम, पंजरी प्लांट परिसर में हुए इस आयोजन में सुबह से ही जनजातीय कलाकारों, समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बड़ी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य विभाग के कैबिनेट मंत्री

गजेंद्र यादव शामिल हुए। मुख्यमंत्री के संदेशों के वाचन के पश्चात मंच पर प्रस्तुत किए गए मुरिया, पंथी, सरहुल और कर्मा नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वाद्यों की धुनों और जनजातीय परिधानों की आभा ने समूचे वातावरण को सांस्कृतिक उल्लास से भर दिया। जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजातीय समाज की अस्मिता, विरासत और एकता का एक अद्भुत पर्व सिद्ध हुआ। रायगढ़ में संस्कृति का यह विराट उत्सव आने वाले वर्षों तक जन-मानस में अपनी अमिट छाप छोड़ता रहेगा।

मंत्री यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक चेतना, एक विचार और एक क्रांति हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की संघर्षगाथा और नेतृत्व क्षमता ने आदिवासी समाज की अस्मिता और स्वाभिमान को नई दिशा दी। उन्होंने जनजातीय समाज की प्रकृति-संवेदी जीवनशैली का उल्लेख करते हुए कहा कि ऋतु परिवर्तन, जंगल की आहट और प्राकृतिक संकेतों को पहचानने की जो अद्भुत क्षमता जनजातीय समाज में है, वह दुनिया के लिए आज भी अध्ययन का विषय है। अंडमान-निकोबार के जारुवा समुदाय द्वारा सुनामी से पहले दी गई चेतावनी इसका एक जीवंत उदाहरण है।

शिक्षा मंत्री यादव ने आगे कहा कि सभ्यताओं का पतन तब होता है, जब उनकी भाषा, संस्कृति और ज्ञान पर प्रहार होता है। इसलिए आदिवासी समाज को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को कभी नहीं छोड़ना चाहिए, यही उसकी विशिष्ट पहचान और आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनजातीय कलाकारों, समाज प्रमुखों, वरिष्ठजन और प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर महापौर जीवर्धन चौहान ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यक्रम में सभापति डिग्रीलाल साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक सिदार, जिला पंचायत सदस्य सुषमा खलखो, गोपाल अग्रवाल, ब्रजेश गुप्ता, रजनी राठिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उत्तर छत्तीसगढ़ जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव में तमनार के मौहापाली, देवगढ़, घरघोड़ा, पुसौर, खरसिया, लैलूंगा, रायगढ़ और धरमजयगढ़ के दलों ने पारंपरिक कर्मा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का हृदय जीत लिया। जनजातीय वेशभूषा, लोकवाद्यों की मधुर लय और सामूहिक नृत्य की लयबद्धता ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में कार्यक्रम में समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950